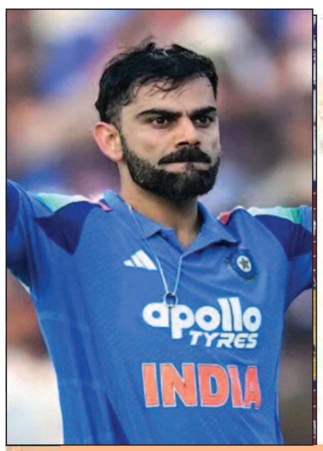

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

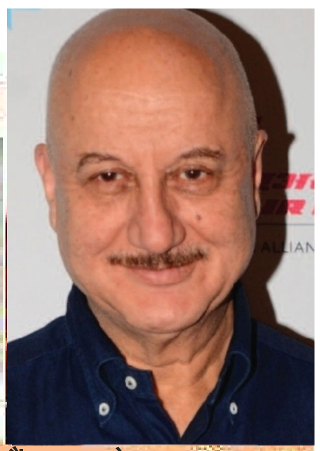

रायपुर में 'किंग कोहली का जलवा, 53वें शतक -पेज: 7

पृथ्वी गजल जैसी लासिकल शैली को आगे बढ़ाने काम कर रहे हैं: अनुपम खेर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 235 | गुरुवार 04 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

योगीराज में घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू, उत्तर प्रदेश में रोहिंग्या, बांग्लादेशी खोजे जाएंगे, होगी कार्रवाई

लखनऊ: उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है और राज्य के हर संभाग में हिरासत केंद्र स्थापित करने के आदेश जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ये सूचियाँ आगे की जाँच के लिए संबंधित आयुक्तों और महानिरीक्षकों को सौंपी जाएँगी। मुख्यमंत्री ने सभी 18 संभागों के संभागीय आयुक्तों और 18 रेंजों के पुलिस महानिरीक्षकों को प्रत्येक संभाग में एक निरोध केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है ताकि अवैध प्रवासियों को उनके निर्वासन तक रखा जा सके।

जनसंपर्क और जमीनी विरोध पर जोर: पीएम मोदी ने बंगाल बीजेपी सांसदों को दिया चुनावी सफलता का सीक्रेट फॉमूर्ला

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य के मौजूदा हालात में स्पष्ट संवाद और जनसम्पर्क की जरूरत है, और पार्टी को जमीनी स्तर पर जो कुछ हो रहा है, उसका कड़ा विरोध करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, 2026 की तैयारियों के संबंध में, प्रधानमंत्री ने सांसदों से विस्तृत प्रस्तुतियाँ तैयार करने और आगामी राजनीतिक योजना व लामबंदी के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री के एक करीबी सूत्र के अनुसार, मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि एसआईआर को ज्यादा जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए और यह संदेश जमीनी स्तर तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने प्रक्रिया में स्पष्टता

और दक्षता पर जोर देते हुए कहा कि एसआईआर अभियान को सरल और पारदर्शी रखें। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि योग्य मतदाताओं को शामिल किया जाए और जो योग्य नहीं हैं उन्हें हटाया जाए। उन्होंने सांसदों से 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में पार्टी को केंद्रित और आश्वस्त बनाए रखने का भी आह्वान किया। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी की ताकत का लाभ उठाने और वर्षों से बनी गति को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से कहा कि सांसद खगेन मुर्मू पर हमले जैसी घटनाओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया जाना चाहिए ताकि लोग टीएमसी से जुड़ी हिंसा को समझ सकें। कल, 3 दिसंबर को, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यालय में संसद भवन में असम के सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, उन्होंने उनकी संसदीय गतिविधियों पर चर्चा की और उन्हें जनता के बीच अधिक सक्रिय होने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सांसदों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ जनभागीदारी बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने खेल उत्सवों और सोशल मीडिया अभियानों को लोगों से जुड़ने के प्रभावी तरीकों के रूप में रेखांकित किया। 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। पहला चुनाव असम में होगा। असम में 126 विधानसभा सीटें हैं, केरल में 140, तमिलनाडु में 234, पश्चिम बंगाल में 294 और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 30 विधानसभा सीटें हैं।

जो भ्रष्टाचार के प्रति पटेल के कड़े रुख को दशार्ता है

सरदार पटेल की इच्छा के अनुरूप, राजनाथ सिंह ने घोषणा की कि 30 दिन से अधिक जेल में रहने वाले मंत्रियों को इस्तीफा देना होगा, जिसका श्रेय पीएम मोदी को सरदार पटेल की विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए दिया गया। यह 130वें संविधान संशोधन के माध्यम से लागू किया जाएगा, जो भ्रष्टाचार के प्रति पटेल के कड़े रुख को दशार्ता है और राष्ट्र निर्माण में नागरिक उत्तरदायित्व पर जोर देता है।

सीएम रेड्डी का बड़ा दांव, पीएम मोदी को ग्लोबल समिट में किया आमंत्रित, निवेश की आस

तेलंगाना एजेंसी: तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 8 और 9 दिसंबर को भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के साथ, मुख्यमंत्री ने संसद भवन में प्रधानमंत्री से मुलाकात की और वैश्विक शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को ग्लोबल समिट का लोगो भी भेंट किया। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री को वैश्विक निवेश आकर्षित करने के वैश्विक शिखर सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और प्रत्येक क्षेत्र को मजबूत करके राज्य की

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के विजन के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत 2047 के तहत निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप, 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन डॉक्यूमेंट सभी क्षेत्रों के विकास लक्ष्यों और भविष्य की योजनाओं का विश्लेषण करने के लिए तैयार किया गया है। शिखर सम्मेलन में अनावरण किया जा रहा यह विजन डॉक्यूमेंट नीति आयोग के परामर्श और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। तेलंगाना राइजिंग विजन के तहत किए जा रहे विकास कार्यों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने का प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सभी लंबित परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण की लंबित स्वीकृति की ओर दिलाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कुल 162.5 किलोमीटर लंबाई के विस्तार के लिए केंद्र को प्रस्ताव पहले ही सौंप दिए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में 43,848 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को मंजूरी देने का अनुरोध किया।

दिल्ली रवाना हुए डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया का बयान - उन्हें जाने दीजिए, मैं बुलावा आने पर जाऊंगा

कर्नाटक एजेंसी: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि वह पार्टी आलाकमान के बुलावे पर ही शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मिलने के लिए राष्ट्रीय राजधानी जाएँगे। डीके शिवकुमार पर सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें जाने दीजिए। मैं तभी जाऊँगा जब मुझे बुलावा आएगा। मुझे अभी तक कोई बुलावा नहीं आया है। इस बीच, कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने सत्ता संघर्ष को लेकर अटकलों को और हवा देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर तीस महीने या तीन साल लग सकते हैं। जारकीहोली ने मंगलुरु में संवाददाताओं से कहा कि मैंने कहा था कि यह तीस महीने या तीन साल भी हो सकता है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी

वेणुगोपाल के मंगलुरु हवाई अड्डे पर पहुँचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा शिवकुमार और सिद्धारमैया के पक्ष में परस्पर विरोधी नारे लगाने के साथ पार्टी के आंतरिक गतिरोध का प्रदर्शन देखने को मिला। इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि वह हालिया राजनीतिक मतभेदों पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते, और कहा कि जो भी छोटे-मोटे मुद्दे थे, उन्हें सुलझा लिया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए, परमेश्वर ने कहा कि मैं अनावश्यक रूप से कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। अब सब कुछ खत्म हो गया है। जो भी छोटे-मोटे मतभेद थे, अगर थे, तो उन्हें सुलझा लिया गया है। कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बुधवार दोपहर दिल्ली रवाना होने के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं। हालाँकि शिवकुमार ने कहा कि वह एक निजी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहे हैं, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि वह कर्नाटक में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि वह संक्षिप्त बैठकों और एक विवाह समारोह में भाग लेने के बाद कैबिनेट बैठक के लिए बेंगलुरु लौटेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक के कांग्रेस नेता 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में "वोट चोरी" के खिलाफ होने वाली रैली में भी शामिल होंगे। इससे पहले भी उन्होंने केसी वेणुगोपाल और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ आलाकमान नेताओं के साथ हवाई अड्डे पर महत्वपूर्ण चर्चा की है। माना जा रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात में क्या हुआ? बंगाल के भाजपा सांसद ने सबकुछ बता दिया

पश्चिम बंगाल एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की और उनसे राज्य में बेईमान तत्वों से लड़ते रहने का आग्रह किया। उन्होंने सांसदों से 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता में लाने के लिए प्रयास तेज करने को कहा। राणाघाट से सांसद जगन्नाथ सरकार ने बताया कि इस बैठक में मुख्य रूप से यह चर्चा हुई कि आधारझ्ररक्फ की प्रक्रिया पूरी तरह सही, पारदर्शी और सुचारु रूप से संचालित हो, इसके लिए आवश्यक सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को कैसे सुनिश्चित किया जाए। जगन्नाथ सरकार ने बताया कि साथ ही मोदी ने अपने-अपने क्षेत्रों में युवा पीढ़ी के साथ प्रत्यक्ष संवाद को और मजबूत करने, आम जनता के साथ निरंतर जुड़े रहने तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न केंद्रीय एवं सरकारी विकास योजनाओं को और अधिक

प्रभावी ढंग से लागू करने से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही सांसद खगन मुर्मू जी के साथ हुई घटना की घोर निंदा की गई। प्रधानमंत्री के एक करीबी सूत्र के अनुसार, मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि एसआईआर को ज्यादा जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए और यह संदेश जमीनी स्तर तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने प्रक्रिया में स्पष्टता और दक्षता पर जोर देते हुए कहा कि एसआईआर अभियान को सरल और पारदर्शी रखें। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है

कि योग्य मतदाताओं को शामिल किया जाए और जो योग्य नहीं हैं उन्हें हटाया जाए। उन्होंने सांसदों से 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में पार्टी को केंद्रित और आश्वस्त बनाए रखने का भी आह्वान किया। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी की ताकत का लाभ उठाने और वर्षों से बनी गति को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला।

'न योजना, न चर्चा, न संवाद': राहुल गांधी का आरोप, मोदी सरकार बहुजनों से कर रही

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति जनगणना के संबंध में संसद में कोई रूपरेखा या चर्चा न होने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बहुजनों के साथ विश्वासघात किया है। राहुल गांधी ने संसद में उनसे पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर साझा किया और आरोप लगाया कि केंद्र जाति जनगणना कराने की कोई इच्छा नहीं रखता है। गांधी ने पर पोस्ट किया कि संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना के बारे में एक प्रश्न पूछा - उनका जवाब चौंकाने वाला है। कोई ठोस रूपरेखा नहीं, कोई समयबद्ध योजना नहीं, संसद में कोई चर्चा नहीं और जनता से कोई संवाद नहीं। अन्य राज्यों में सफल जाति जनगणना की रणनीतियों से सीखने की भी कोई इच्छा नहीं है। जाति जनगणना पर मोदी सरकार का यह रुख देश के बहुजनों के साथ विश्वासघात है। राहुल गांधी ने "दशवार्षिक जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक चरणों का विवरण और संभावित समय-सीमा, जिसमें प्रश्न तैयार करना और समय-सारिणी शामिल है, के बारे में पूछा है; क्या सरकार जनगणना के प्रश्नों का मसौदा प्रकाशित करने और इन प्रश्नों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेने का प्रस्ताव रखती है; और क्या सरकार विभिन्न राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षणों सहित पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है, और यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है?" जाति जनगणना पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में, केंद्र ने उत्तर दिया कि अगली जनगणना पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखेगी और संबंधित हितधारकों से सुझाव मांगेगी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के उत्तर में कहा गया है, "जनगणना का इतिहास 150 वर्षों से अधिक पुराना है।

बीजापुर में सुरक्षाबलों का बड़ा वार, 6 माओवादी मारे गए, 2 वीर जवान शहीद, नक्सलवाद पर भारी पड़ रही रणनीति

बीजापुर एजेंसी: छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को हुई मुठभेड़ में कम से कम छह नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दो जवान शहीद हो गए। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा के पास वन्य गंगालूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मुठभेड़ हुई। इस साल 268 नक्सली मारे गए हैं। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई, कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) की एक संयुक्त टीम इस अभियान को अंजाम दे रही थी। दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप ने बताया कि पिछले दो घंटों से मुठभेड़ जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक छह माओवादी मारे गए हैं और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान भी शहीद हुए

हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ अभी भी जारी है और जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को घेर लिया है। इस नवीनतम कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में 268 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 239 बस्तर संभाग में, जिसमें बीजापुर और दंतेवाड़ा सहित सात जिले शामिल हैं, मारे गए, जबकि 27 अन्य रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए। दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो नक्सली मारे गए। इससे पहले 30 नवंबर को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में कुल 37 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें से 27 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। छत्तीसगढ़ के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया था कि यह आत्मसमर्पण "पूना मार्गेम" पहल के तहत वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने हुआ, जो पुनर्वास और सामाजिक पुनर्मिलन का समर्थन करती है। समूह में 12 महिलाएँ भी शामिल थीं, जो इस योजना के समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

मोदी सरकार मजदूर विरोधी, श्रम संहिता से रोजगार की सुरक्षा को खतरा: खरगे

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को मोदी सरकार पर ह्यह्यमजदूर विरोधी और पूंजीपति समर्थक" होने का आरोप लगाया और दावा किया कि हाल ही में लागू चार श्रम संहिताओं के कारण श्रमिकों के रोजगार की सुरक्षा एवं स्थायित्व खतरे में पड़ गया है। खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने श्रम संहिताओं के खिलाफ बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। बाद में खरगे ने ह्यएक्स' पर पोस्ट किया, ह्यह्यमोदी सरकार मजदूर विरोधी, कर्मचारी विरोधी और पूंजीपतियों की समर्थक है। विपक्षी दलों ने आज संसद में मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए, नयी लागू की गई श्रम संहिताओं पर कड़ी आपत्ति जताई। नयी संहिताओं में कुछ गंभीर चिंताएं हैं।" उन्होंने दावा किया कि छंटनी की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 श्रमिकों तक कर दी गई है, जिसका मतलब यह है कि भारत में 80 प्रतिशत से अधिक कारखाने अब सरकार की मंजूरी के बिना श्रमिकों को नौकरी से हटा सकते हैं, जिससे नौकरी की सुरक्षा

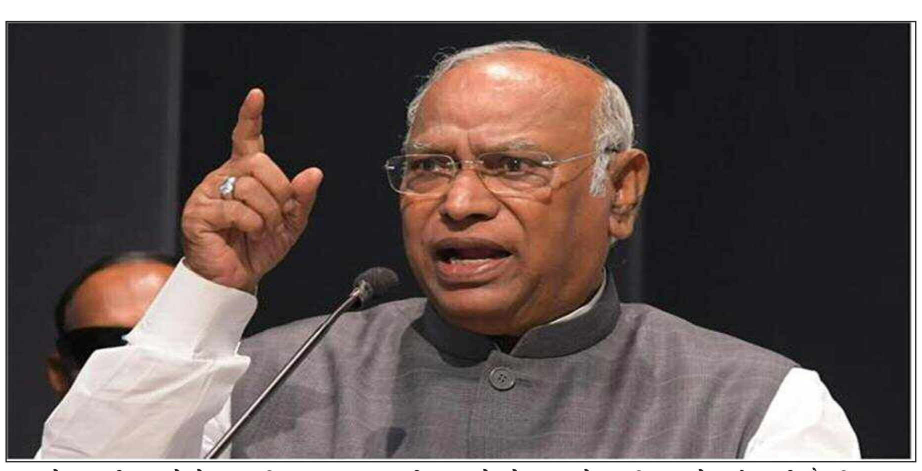

कम हो जाएगी। खरगे ने कहा कि तय समयसीमा वाले रोजगार के विस्तार से कई स्थायी नौकरियां खत्म हो जाएंगी तथा कंपनियां अब दीर्घकालिक लाभ से बचते हुए, अल्पकालिक अनुबंध पर श्रमिकों को काम पर रख सकती हैं। उनका कहना है, ह्यह्यसंहिता के तहत कागज पर आठ घंटे काम की बात की गई है, लेकिन 12 घंटे की शिफ्ट भी कराई जा सकती है.... इससे थकान और सुरक्षा जोखिम बढ़ जाते हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ह्यह्यसंहिता प्रवासियों के लिए सुरक्षा उपायों का विस्तार करने, विस्थापन भत्ते को हटाने और प्रतिबंधात्मक 18,000 रुपये की आय सीमा को बनाए रखने में विफल है, जिससे कई प्रवासियों को सुरक्षा के बिना छोड़ दिया गया है। अनिवार्य आधार-आधारित पंजीकरण से प्रवासियों और अनौपचारिक श्रमिकों के बाहर होने का जोखिम है, जिन्हें अक्सर दस्तावेजीकरण त्रुटियों या सीमित डिजिटल पहुंच का सामना करना पड़ता है। निश्चित रूप से इससे सामाजिक-सुरक्षा नामांकन में बाधाएं पैदा होती हैं।" केंद्र ने बीते 21 नवंबर को 2020 से लंबित चार श्रम संहिताओं को लागू कर दिया, जिनमें सभी के लिए समय पर न्यूनतम वेतन और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा जैसे श्रमिक-अनुकूल उपायों को शामिल किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को मोदी सरकार पर मजदूर विरोधी और पूंजीपति समर्थक" होने का आरोप लगाया और दावा किया कि हाल ही में लागू चार श्रम संहिताओं के कारण श्रमिकों के रोजगार की सुरक्षा एवं स्थायित्व खतरे में पड़ गया है।

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी ह्यड्रामाह्न होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़? की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चचाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि 'चुनाव सुधार' के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक धड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या यह आंकड़ा चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है?

चिंतन-मनन

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आप्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आप्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे की एक डिबिया देकर एक दूत भेजा। उस डिबिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत आया। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिबिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे।

राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु ऐसा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बूढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिबिया ली। एक आंख में सुरमा लगाया। कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विश्लेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिबिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ऐसा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ऐसे अनुभवी और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आप्रमण करना भयंकर भूल होगी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हर लहर पर तिरंगा : नौसेना का अदम्य जोश और जज्बा

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 में शुरू हुआ था, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने हितों की रक्षा के लिए समुद्री बल का गठन किया था। समय के साथ यह बल भारतीय नौसेना के रूप में विकसित हुआ। 1950 में रॉयल इंडियन नौसेना का नाम बदलकर भारतीय नौसेना रखा गया। भारतीय नौ सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में गिनी जाती है, हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाते हुए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह दिन कैलेंडर पर सिर्फ.एक तारीख नहीं है, यह हमारे नौसैनिक योद्धाओं की अटूट भावना और बेमिसाल साहस का प्रतीक है ' भारतीय नौसेना दिवस, नौसेना की बहादुरी, और समर्पण का सम्मान करता है। यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जब 4 दिसम्बर 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसेना मुख्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था, इस अभियान का नेतृत्व कमोडोर के.पी. गोपाल राव ने किया था, जिसमें आईएनएस वीर, आईएनएस निपट और आईएनएस निर्घट जैसे मिसाइल बोट्स का उपयोग कर तीन पाकिस्तानी जहाजों को डुबो दिया गया और भारी नुकसान पहुंचाया गया था ' इस हमले में पाकिस्तान के लगभग 300 सैनिक मारे गए और 700 घायल हुए थे ' इस ऑपरेशन को ऑपरेशन ट्राइडेंट के नाम से जाना जाता है ' इस हमले में पाकिस्तान को बहुत भारी नुकसान हुआ था, कराची बंदरगाह के ईंधन भंडार को काफी नुकसान हुआ था ' कहा जाता है कि इस हमले का आदेश बंद लिफाफे में नौसेना के पास पहुंचा था ' भारत ने अपने तीन युद्धपोतों आईएनएस निपत, आईएनएस निरघट और आईएनएस वीर की सहायता से कराची बंदरगाह पर हमला किया, भारत से युद्धपोत गुजरात के ओखा पोर्ट से पाकिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना हुए थे ' भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के पीएनएस खैबर, पीएनएस शाहजहां और पीएनएस मुहाफिज की जलसमाधि बना दी थी ' चूंकि पूर्व और पश्चिम पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक समुद्र के रास्ते था, इसलिए भारत ने पाकिस्तान की समुद्री क्षमता पर प्रहार करने का फैसला किया ' पाकिस्तान के पास रात के लड़ाकू विमान नहीं थे, इसलिए सूर्यास्त के बाद ऑपरेशन को अंजाम दिया गया ' इस हमले ने पाकिस्तान के प्रमुख ईंधन भंडार और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया ' हमलावर जहाजों के समूह को किलर स्क्वाड्रन के रूप में जाना जाता है ' युद्ध 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति के साथ समाप्त हुआ, जिसे अब बांग्लादेश के रूप में जाना जाता है ' इस ऑपरेशन की सफलता बड़ी इसलिए भी मानी जाती है क्योंकि कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया था, साल 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में पहली बार पाकिस्तानी जहाज पर एंटी-शिप मिसाइल से हमला किया गया था ' ऑपरेशन ट्राइडेंट के ठीक तीन दिन बाद ऑपरेशन पायथन किया गया ' हमले में फिर से कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया, जबकि ऑपरेशन पाकिस्तानी बेड़े के टैंकर पीएनएस ढाका को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा ' भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आवश्यकता के समय सद्भावना यात्राओं और मानवीय मिशनों को पूरा करके देश के द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने में सहायता करना है ' हर साल, नौसेना दिवस भारत के नौसैनिक बल की वीरता, उपलब्धि और भूमिका की कहानी कहते हैं '

यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की शानदार सफलता को याद करने का दिन है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्री युद्ध को फिर से परिभाषित करने वाला एक साहसी मिशन था। इस अद्वितीय बहादुरी के कार्य ने न केवल युद्ध को भारत के पक्ष में झुका दिया, बल्कि समुद्री इतिहास के पन्नों में भारतीय नौसेना का नाम भी दर्ज कर दिया। नौसेना दिवस सिर्फ. अतीत के गौरव का स्मरणोत्सव नहीं है। यह वर्तमान संकल्प और भविष्य की आकांक्षाओं के धागों से बुना गया एक जीवंत चित्रपट है। यह हमारी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, हमारे व्यापार मार्गों की सुरक्षा और हमारे द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार करने का दिन है। यह हमारे महासागरों को सुशोभित करने वाले तकनीकी चमत्कारों पर आश्चर्यचकित होने का दिन है - चुपके से चलने वाली पनडुब्बियां, भव्य विमान वाहक, फुतीर्ले विध्वंसक और गहरे सागर के मूक रक्षक - ये सभी भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति के प्रमाण हैं। नौसेना दिवस उन पुरुषों और महिलाओं के बारे में भी है जो इन मशीनों के पीछे मजबूती से खड़े हैं। यह उनके अटूट समर्पण, उनके अथक प्रयासों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनके अदम्य साहस के बारे में है। यह उन परिवारों के बारे में है जो उनके साथ खड़े हैं, ताकत और अटूट समर्थन का एक मूक स्तंभ हैं। इस दिन को मनाते हुए, आइए हम उन लड़ी गई लड़ाइयों और विजय को याद करें। आइए हम शहीद हुए वीरों का सम्मान करें और उन लोगों की अदम्य भावना को सलाम करें जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करना जारी रखते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन'

निर्मल रानी

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाईड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें 'अन्य प्रकार के मामले' बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'राजनीतिक' करार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो?

भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि 'शिक्षक राष्ट्र-निमार्ता होते हैं' कलाम साहब कहते थे कि 'शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ. पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।' कलाम साहब का मानना था कि 'अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यक ीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं झ्र माँ, पिता और गुरु।' यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - 'मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था - अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। ह्व कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे।

इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव, एसआईआर या जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु ' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय। । अर्थात गुरू और गोबिंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए - गुरू को अथवा गोबिन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरू बिन ज्ञान न उपजै, गुरू बिन मिलै न मोष। गुरू बिन लखै न सत्य को गुरू बिन मिटै न दोष। । अर्थात - हे सांसरिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है।

तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों मे जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू ही हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं?

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मयार्दा'

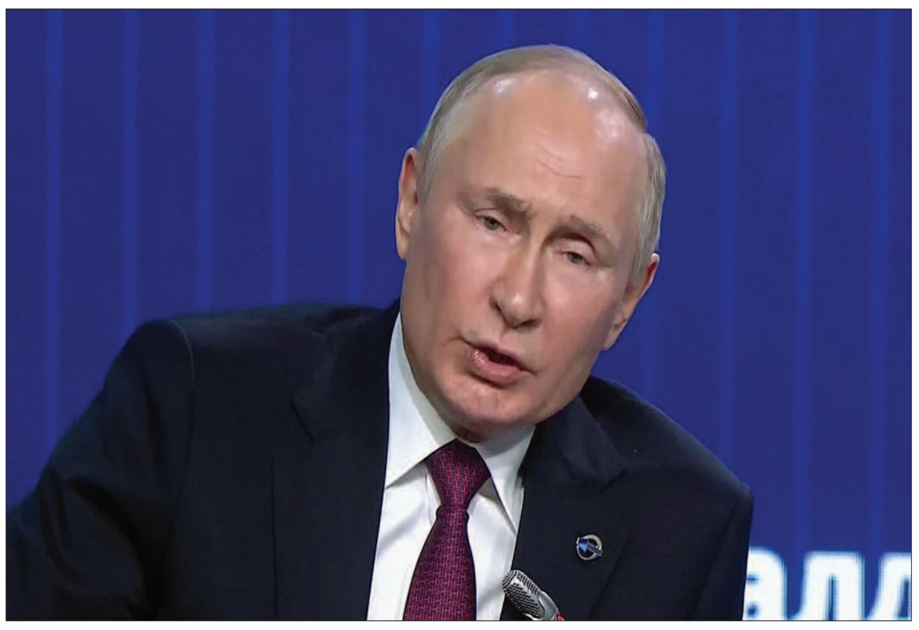

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मयार्दाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता–विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए भारतझ्ररूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दशार्ता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें। बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मयार्दाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

जनपद स्तरीय समेकित खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिताओं का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के मिनी स्टेडियम राजकीय इण्टर कॉलेज, में समग्र शिक्षा माध्यमिक योजनान्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय सशक्तिकरण दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय समेकित खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। राजकीय बालिका इण्टर कॉलिज की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किये। बुकें एवं पुष्प माला भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया मुख्य विकास अधिकारी ने ध्वजारोहण एवं गुब्बारे उड़ा कर विधिवत खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियागितओं की उदघाटन की धोंषणा की। दिव्यांग छात्र-छात्राओं की 100मी0 एवं 50मी0 की दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर सम्पन्न कराया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने समारोह को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि दिव्यांग छात्र-छात्रओं को अपने को किसी भी मायने में कमजोर नहीं समझना चाहियें। दिव्यांगजन को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शन करने के पर्याप्त अवसर हैं। पैरा औलम्पिक में खिलाड़ी आपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे है। जनपद स्तरीय समेकित खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता उनकी प्रतिभा को प्रखर करने का अच्छा प्लेटफार्म है। डॉ0 प्रवेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक, अमरोहा ने समारोह को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि समाज को दिव्यांग छात्र-छात्राओं को सहानुभूति की नहीं बल्कि उनको आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने की आवश्यकता है। दिव्यांग छात्र-छात्रओं को अपनी प्रतिभा को मुखर करने के लिऐ लगन से मेहनत करनी चाहिऐं। डॉ0 मोनिका सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि हमें दिव्यांग छात्र-छात्राओं को मोरल सपोर्ट देकर समाज की मुख्य धारा में शामिल करना चाहिऐं। दिव्यांग छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उसी दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाये। जनपद स्तरीय समेकित खेल कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के उदघाटन समारोह में देशकान्त त्यागी, जिला क्रीडा अधिकारी, शिखा शर्मा जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक, देवेन्द्र प्रताप सिंह, डा0 जी0पी सिंह, प्रशन्त कुमार, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा स्नेहलता, आयुशी, कीर्ति, शिल्पी, राजीव सिंह, सुरेन्द्र सिंह, एवं विजय सिंह, मीनाक्षी चौधरी, शिव कुमार, राजवीर सिंह, वीर सिंह, विकास कुमार, अंकुल कुमार, धीरेन्द्र कुमार, तेज बहादुर, प्रशांत कुमार, रवि कुमार, अंजु, बाबू खां, मनीष अरोरा, कविराज सिंह, बनी सिंह आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में अभिभावकों को किया गया जागरूक

छात्र छात्राओं को ठंड से बचाव के लिए किया प्रेरित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- माह के प्रथम बुधवार को प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर की विद्यालय प्रबंध समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह ने की एवं संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं समिति के सचिव रामवीर सिंह ने किया। बताया की शासन के निदेर्शों के क्रम में माह के प्रथम बुधवार को विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रतिभाग किया। बैठक में बोलते हुए विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव एवं प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में SIR के अंतर्गत निर्वाचन का बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य चल रहा है। विद्यालय प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्य इस कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए शत प्रतिशत रूप से मतदाताओं को जागरुक करते हुए गणना प्रपत्र अवश्य जमा कराएं और अपना पूर्ण सहयोग ग्राम वासियों को प्रदान करें।ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित ना रह सकें। कहा कि आगामी 10 दिसंबर से परिषदीय विद्यालयों में अर्धवार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ होने वाली हैं। अतः शत प्रतिशत रूप से छात्र छात्राओं को विद्यालय भेजने में अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें। सभी का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ठंड ने धीरे-धीरे अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। अतः सभी अभिभावक अपने पाल्यों को गर्म कपड़े पहनाकर कर ही विद्यालय भेजें। उन्होंने हाल ही में न्याय पंचायत एवं ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र छात्राओं के अभिभावकों को सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष राधा,सदस्य संतोष सिंह, दीपचंद ,विशम्बर सिंह,अरविंद सिंह, पप्पू ,नीरज, सावित्री,राजवती,नीरज रानी, राशिद अली, अमित कुमार, मनीष कुमार, अजय सागर, संतराम सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के आयोजन को लेकर दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुये कहा कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का बृहद आयोजन/मेगा इवेंट के रूप में आयोजित कराने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके क्रम में जनपद अमरोहा में सामूहिक विवाह कार्यकम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सामूहिक विवाह जनपद अमरोहा के विकास खण्ड/नगर निकायों की दिनांक 06 दिसम्बर, 2025 दिन शनिवार को महाराजा अग्रसैनी कालेज आफ इन्जिनियरिंग एण्ड टैक्नालॉजी गजरौला बागरपुर माफी निकट श्री वेंकेटेश्वर यूनिवर्सिटी गजरौला में आयोजित की जायेगी। विकास खण्ड अमरोहा, नगर पालिका परिषद अमरोहा, नगर पंचायत नौगावां सादात, विकास खण्ड जोया, नगर पंचायत जोया के लिये कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु नामित नोडल अधिकारी उप जिलाधिकारी, अमरोहा और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अमरोहा और सहायक नोडल अधिकारी के रूप में जिला पंचायत राज अधिकारी अमरोहा, खण्ड विकास अधिकारी अमरोहा, खण्ड विकास अधिकारी जोया, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा, जोया, नौगावा सादात व जिला कृषि अधिकारी अमरोहा को नामित किया गया है। विकास खण्ड धनौरा, नगर पालिका परिषद धनौरा, नगर पालिका परिषद बछरायूँ, विकास खण्ड गजरौला, नगर पालिका परिषद गजरौला के कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु नामित नोडल अधिकारी उप जिलाधिकारी, धनौरा और परियोजना निदेशक डी०आर०डी०ए० अमरोहा और सहायक नोडल अधिकारी के रूप में जिला कार्यक्रम अधिकारी अमरोहा, खण्ड विकास अधिकारी धनौरा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, खण्ड विकास अधिकारी गजरौला, धनौरा एवं बछरायूँ एवं गजरौला, जिला प्रोबेशन अधिकारी अमरोहा को नामित किया गया है।

विकास खण्ड हसनपुर, नगर पालिका परिषद हसनपुर, नगर पंचायत सैदनगली, नगर पंचायत उझारी, विकास खण्ड गंगेश्वरी के कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु नामित नोडल अधिकारी उप जिलाधिकारी, हसनपुर और जिला विकास अधिकारी, अमरोहा और सहायक नोडल अधिकारी के रूप में उप निदेशक कृषि अमरोहा,खण्ड विकास अधिकारी हसमपुर, खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हसनपुर/सैदनगली एवं उझारी, जिला उद्यान अधि० अमरोहा व जिला मत्सय अधिकारी अमरोहा को नामित किया गया है। नामित नोडल अधिकारी का दायित्व होगा कि अपने नाम के सम्मुख अंकित निकाय (विकास खंड/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत) से आये हुए वर-वधु के बैठने की व्यवस्था, सामान वितरण एवं विवाह आयोजन में समुचित व्यवस्था बनायेंगे। नोडल अधिकारी सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत से समन्वय करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति तक उपस्थित रहकर अपनी देख-रेख/निर्देशन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न करायेंगे। सामूहिक विवाह में सम्बन्धित वर-वधु को दी जाने वाली उपहार सामग्री के वितरण का दायित्व सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी/अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत एवं सम्बन्धित नोडल अधिकारी का होगा।

सम्बन्धित नोडल अधिकारी सफलतापूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न कराकर विस्तृत सूचना/विवरण अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे। इस सम्बन्ध में यह भी उल्लेख करना है कि स्थानीय स्तर पर निर्णय लेते हुए समारोह में उपस्थित जोड़ों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों हेतु उचित दूरी का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए उनके बैठने एवं खान-पान की व्यवस्था की जाय। सामूहिक विवाह का आयोजन कराये जाने सम्बन्धी सगस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय एवं कार्यक्रम के आयोजन में प्रभारी मंत्री/ मंत्री/ सांसद/ विधायक / सदस्यत विधान परिषद / अध्यक्ष जिला पंचायत/ ब्लाक प्रमुख / अध्यक्ष नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत को अवश्य आमंत्रित किया जाय। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाहित जोड़ों की सूची (आवश्यक संलग्नकों के साथ) सब रजिस्ट्रार (निबंधन) को उपलब्ध कराकर उनसे सम्बन्धित जोडों को विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाया जाए।

खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार संचालित योजनाओं के अंतर्गत उद्यमियों को उत्पाद

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं एवं क्रिया कलापों तथा कार्यरत उद्यमियों को उत्पाद विकास, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमरोहा द्वारा तहसील धनौरा के अन्तर्गत 09 दिसंबर 2025 (दिन मंगलवार) को विपणन विकास सहायता (एस.सी.एस.पी.) योजनान्तर्गत सभागार विकास खण्ड कार्यालय गजरौला, जनपद अमरोहा में दिन में समय 11:00 बजे से तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जागरूकता कार्यक्रम में नवयुवक / नवयुवतियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं मुख्यमन्त्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, प्रशिक्षण व माटीकला उद्योग आदि से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रपत्रों, पंजीकरण / प्रमाण पत्रों प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने एवं विपणन सम्बन्धी जानकारी प्रदान करायी जायेगी। यह जागरूकता कार्यक्रम उ०प्र० खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से भविष्य में रोजगार स्थापित करनें के इच्छुक बेरोजगार नवयुवक / नवयुवतियों के लिये अत्यन्त लाभदायक होंगे, अतः उन्हे कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया जाता है।

मंडी धनौरा में पंचायत सचिवों का प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन लगातार जारी

गजरौला,मंडी धनौरा व गंगेश्वरी ब्लॉक पर ग्रा.पं.सचिवों का प्रदर्शन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिवों ने एफआरएस ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर विभागीय कार्यों के बढ़ते बोझ के खिलाफ बुधवार को भी प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान ग्राम पंचायत सचिवों ने ब्लॉक गजरौला, ब्लॉक धनौरा व गंगेश्वरी ब्लॉक कार्यालय के सामने बाजू पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराया। बता दें कि मंडी धनौरा में चल रहे ग्राम पंचायत सचिवों के विरोध प्रदर्शन के क्रम में बुधवार को भी मंडी धनौरा सहित गजरौला ब्लॉक व गंगेश्वरी ब्लॉक परिसर में विरोध प्रदर्शनरत पंचायत सचिवों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बाजू पर काली पट्टी बांधकर जमकर विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रखा। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष राजीव गिल ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेशव्यापी आंदोलन का पहला चरण 1 से 4 दिसंबर तक चलेगा ,इस अवधि में सभी ग्राम सचिव बाजू पर काली पट्टी बांधकर सरकारी कामकाज करेंगे यह प्रतीकात्मक विरोध सरकार को उनकी मांगों से अवगत कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है।आंदोलन के अगले चरणों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर को सभी सचिव धरना प्रदर्शन करेंगे और सामूहिक रूप से सभी सरकारी व्हाट्सएप समूह से बाहर हो जाएंगे। इसके बाद 10 दिसंबर से सभी सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर देंगे। आंदोलन के अंतिम चरण में 15 दिसंबर को सभी ग्राम सचिव अपने डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे। इस आंदोलन को विकासखंड धनौरा के सभी ग्राम पंचायत और ग्राम विकास अधिकारियों का समर्थन प्राप्त है ।इस मौके पर राजीव गिल, राजकुमार सैनी, सुमित कुमार ,मोहम्मद नासिम, महेश कुमार, बंटी सिंह ,संदीप सिंह, रोहित कुमार, अशोक यादव, राजकुमार ,आंचल और रजत यादव, राहुल राणा, राजपाल सिंह, शिवम वर्मा, फौजेंद्र, गौरव चौधरी, राजकुमार सिंह, पृथ्वी सिंह, उपेंद्र यादव, अर्चना सैनी, पल्लवी चौधरी, मंजुला चौहान, जाहिद अली सहित कई अन्य सचिव मौजूद रहे।

पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार छात्र छात्राएं कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों जिनकी शैक्षिक योग्यता न्यूनतम इण्टरमीडिएट हो तथा जिनके अभिभावक की ग्रामीण व शहरी क्षेत्र दोनों में समान रूप से वार्षिक आय सीमा रू0 1.00 लाख तक होनी चाहिये अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य हो, अभ्यर्थी बेरोजगार हो तथा किसी शिक्षण संस्था से छात्रवृत्ति न लेता हो तथा अभ्यर्थी किसी शिक्षण संस्थान में संस्थागत के रूप में अध्ययनरत न हो, को ओ-लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण जिसकी अवधि 01 वर्ष एवं सी०सी०सी० कंप्यूटर प्रशिक्षण जिसकी अवधि 03 माह होगी, के लिये पिछडा वर्ग कल्याण लखनऊ द्वारा जारी वेबसाइड backwardwelfareup.gov.in/ obccomputer training.upsdc. gov.in पर दिये गये लिंक पर लॉगिन करके निर्धारित तिथि दिनांक 04 दिसम्बर, 2025 तक शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन का प्रिन्ट आउट प्राप्त करके निम्न अभिलेख जैसे आय व जाति प्रमाण पत्र (दोनों बोर्ड ऑफ रेवेन्यू/ई-डिस्ट्रिक्ट की वेबसाइड पर होना) हाईस्कूल व इण्टर अंक पत्र तथा आधार कार्ड की छायाप्रति सहित हार्डकापी दो प्रतियों में कार्यालय जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास भवन कक्ष संख्या-213 जोया रोड अमरोहा में दिनांक 04 दिसम्बर, 2025 तक सांय 5:00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा। इसके उपरान्त प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक ने बैंक शाखा प्रबंधकों के साथ साइबर क्राइम रोकथाम के लिए की बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार कक्ष में जनपद के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों के साथ साइबर अपराध रोकथाम तथा साइबर सुरक्षा रणनीति पर आधारित एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करना, बैंकिंग ठगी को रोकना तथा पुलिस और बैंकों के बीच एक प्रभावी एवं त्वरित समन्वय स्थापित करना रहा। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फिशिंग कॉल, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी, ओटीपी प्राप्त कर धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी बैंक शाखा प्रबंधकों से आग्रह किया कि ग्राहकों को ऐसे मामलों के प्रति नियमित रूप से जागरूक करें और संदिग्ध लेनदेन की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930, साइबर सेल या स्थानीय पुलिस को उपलब्ध कराएं, ताकि पीड़ितों की आर्थिक क्षति को समय रहते रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक ने सभी बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि अपनी अपनी शाखा में नए खाते खुलवाते वक्त बड़ी सजगता बरती जाए तथा खाता खोलने वाले का अच्छे तरीके से वेरिफिकेशन किया जाए एवं mule खाते की जानकारी होने पर उसको तत्काल डेबिट फ्रिज कराया जाए । बैंक और पुलिस के बीच मजबूत संवाद एवं समन्वय से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने बैंकों से ग्राहकों को साइबर सुरक्षा से जुड़े आवश्यक निदेर्शों का पालन कराने, अपने परिसर में जागरूकता पोस्टर लगाने, ग्राहकों को किसी भी लिंक, कॉल या अनजान नंबर पर बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने के लिए प्रेरित करने तथा संदिग्ध खातों या लेनदेन की सूचना तत्काल पुलिस को देने पर विशेष बल दिया। बैठक में उपस्थित बैंक प्रबंधकों ने भी अपने अनुभव और सुझाव साझा किए तथा साइबर अपराधों की रोकथाम में पुलिस को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा एवं साइबर सेल अमरोहा की टीम भी मौजूद रही। पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने अंत में कहा कि आमजन को सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की जिम्मेदारी है, और इस प्रकार की समन्वय बैठकों से साइबर अपराधों की रोकथाम की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएंगे।

बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली का हुआ आलेख्य प्रकाशन

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के अनुसार आलेख्य प्रकाशन हेतु तैयार कर ली गयी हैं और दिनांक 02 दिसंबर 2025 को जिला निर्वाचन कार्यालय, अमरोहा में, तहसील कार्यालयों पर और मतदान स्थलों (कार्यालय क्षेत्र पंचायत अमरोहा / कार्यालय नगर पंचायत नौगांवा सादात/कार्यालय क्षेत्र पंचायत जोया / कार्यालय क्षेत्र पंचायत हसनपुर / कार्यालय क्षेत्र पंचायत गंगेश्वरी / कार्यालय क्षेत्र पंचायत धनौरा / कार्यालय क्षेत्र पंचायत गजरौला) पर यथाविधि आलेख्य प्रकाशित कर दी गयी है। उपरोक्त स्थानों पर निर्वाचक नामावलियां जनसाधारण के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी। निर्वाचक नामावली के तैयार किए जाने की अर्हक तारीख 01 नवंबर.2025 है।

यदि नामावली में किसी नाम के सम्मिलित किये जाने के लिये कोई आक्षेप किया जाता है या किसी प्रविष्टि की विशिष्टियों की बाबत कोई आक्षेप हो तो वह दिनांक 16 दिसंबर 2025 को या उससे पूर्व नियत प्ररूप-19, 7 या 8 में से, जो समुचित हो, उस प्ररूप में दाखिल किए जा सकते हैं।

जन जागरण अभियान का मुख्य उद्देश्य किसान एकता को मजबूत करना है:- कर्मेंद्र चौधरी

भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं द्वारा संगठन विस्तार को लेकर बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा बुधवार को ग्राम - सारंगपुर में जिला महासचिव अनमोल कुमार के नेतृत्व में जन जागरण बैठक का आयोजन किया गया ! बैठक की अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा एवं संचालन प्रवेन्द्र यादव ने किया ! बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि जन जागरण अभियान का मुख्य उद्देश्य किसान एकता को मजबूत करना और किसानों की आवाज को अधिक प्रभावी बनाना है ! संगठन की शक्ति बढ़ाने के लिए गांव-गांव जाकर किसानों और मजदूरों को उनके हकों के प्रति

जागरूक करना और संगठन से जोड़ना है। आगामी दिनों में किसान महापंचायतें और बड़े सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी ताकि किसानों की एकजुटता प्रदर्शित की जा सके। किसानों के शोषण और उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष की आगामी रणनीति और कार्यक्रमों, धरना - प्रदर्शन को तेज किया जाएगा ! जिससे कि किसान की दशा में सुधार हो सके ! कार्यकारिणी द्वारा संगठन विस्तार करते हुए खेमपाल यादव को जिला मंत्री, तालिब अली को ग्राम अध्यक्ष, यासीन अली को ग्राम महासचिव, सुमित मौर्य को ग्राम सचिव, डॉ विश्वास को ग्राम महासचिव, प्रमोद सागर को ग्राम सचिव, आमिर अली को ग्राम सचिव, राहुल यादव को ग्राम सचिव, कोशिंदर सागर को ग्राम सचिव, कुलदीप सागर को ग्राम सचिव, विनेश यादव को ग्राम सचिव, पन्नालाल प्रजापति को ग्राम महासचिव एवं सुशील सागर को ग्राम सचिव नियुक्त किया गया ! जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारी को प्रमाणपत्र एवं पटका देकर सम्मानित किया गया ! साथ ही संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा द्वारा ग्राम सारंगपुर में बैठक करने के लिए श्रीपाल यादव एवं अमानत अली का हृदय से आभार व्यक्त किया गया ! मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, तहसील प्रभारी प्रवेन्द्र यादव, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, मो. हसन, श्रीपाल यादव, अमानत अली, रामवतार यादव, नरेश यादव, शौकीन अहमद, हनीफ, मुराद अली, पन्नालाल प्रजापति, लेखराज सागर, प्राण सुख सागर, मुनीश अली, डॉ. शाहिद अली, डॉ. विश्वास आदि कार्यकताओं सहित तमाम लोग उपस्थित रहे !

परिवार परामर्श केंद्र की साप्ताहिक बैठक संपन्न, एक परिवार फिर से एकजुट

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र के तहत बुधवार को चंदौसी के गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी में साप्ताहिक बैठक का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चले इस कार्यक्रम की देखरेख परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य दंपतियों व परिवारों के बीच उत्पन्न छोटे-बड़े विवादों से बचाते हुए संवाद, भावनात्मक परामर्श और कानूनी मार्गदर्शन के जरिए सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना रहा। दोनों पक्षों की बातें ध्यान से सुनकर, परिस्थितियों का आकलन कर और व्यवहारिक संभावनाओं को देखते हुए सुलह की

प्रक्रिया चलाई गई। बैठक में कुल 10 पत्रावलियों (शिकायतों) पर सुनवाई हुई। इनमें से एक मामले में दंपति के बीच आपसी सहमति बन गई और परिवार को फिर से एकजुट कर दिया गया। शेष प्रकरणों में अगली तारीखों में आगे की काउंसलिंग जारी रहेगी। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने कहा, ह्लपुलिस का मकसद सिर्फ अपराध नियंत्रण नहीं, बल्कि समाज में छोटे मतभेदों को बड़ा रूप लेने से पहले ही खत्म करना है। हमारा प्रयास रहता है कि हर परिवार को न्यायसंगत, संतुलित और स्थायी समाधान मिले।

काउंसलिंग सत्र में समाजसेवी अमन खुराना, काउंसलर श्वेता गुप्ता व पूनम अरोरा ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं सब-इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल रुचि, पीसी सुधारानी सहित अन्य महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों ने पूरा सहयोग प्रदान किया।

विश्व दिव्यांग दिवस पर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को दिया राज्य स्तरीय पुरस्कार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान लखनऊ के जुपिटर हॉल में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों संस्थाओं नियोक्ताओं एवं सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

के अन्तर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत अधिकारी की श्रेणी में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया। मण्डलायुक्त मुरादाबाद मण्डल आंजनेय कुमार सिंह के निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा से तथा मुरादाबाद में मण्डलायुक्त मुरादाबाद द्वारा कराये जा रहे कार्यों से प्रेरणा लेकर जनपद में दिव्यांगों के लिए बेहतर कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किया गौशाला का औचक निरीक्षण, सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने बहजोई क्षेत्र के घासीपुर स्थित गो-आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में की गई सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह उचित और संतोषजनक पाई गईं। अधिकारियों ने गौशाला में रखे गए गोवंश के लिए चारा, पानी, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण में पाया गया कि गो-आश्रय स्थल पर भूसा, हरा चारा और चोकर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा नियमित रूप से गोवंश को दिया जा रहा है। इसके साथ ही परिसर की साफ-सफाई, पशुओं के बाड़े, जल व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं भी पूरी तरह

दुरुस्त मिलीं।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह ने गौशाला प्रबंधन और वहां तैनात कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि गोवंश की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे सकारात्मक प्रयासों को आगे भी जारी रखा जाएगा। यह निरीक्षण जिले में संचालित सभी गो-आश्रय स्थलों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रशासन की सतत निगरानी का हिस्सा है।

दिसम्बर माह टीका उत्सव का शुभारम्भ,सी एम ओ तरुण पाठक ने किया उद्घाटन

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में दिसम्बर माह भर चलने वाले टीका उत्सव का शुभारम्भ उपकेन्द्र आटा, विकासखण्ड बनियाखेड़ा पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक द्वारा किया गया। इस पहल का उद्देश्य छूटे हुए बच्चों को नियमित टीकाकरण सत्रों पर उपलब्ध कराना तथा सभी डेटा को यूविन पोर्टल पर शत-प्रतिशत अद्यतन करना है। डॉ. पाठक ने बताया कि टीका उत्सव पूरे दिसम्बर माह में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत न केवल छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा, बल्कि पूर्व से टीकाकृत बच्चों के रिकॉर्ड को भी यूविन पोर्टल पर

अपडेट किया जाएगा। जनपद स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों में पोलियो के लिए 14,519, पेन्टावेलेंट के लिए 17,125, मीजल्स रूबेला की प्रथम डोज के लिए 10,732 तथा द्वितीय डोज के लिए 16,749 बच्चों का टीकाकरण शामिल है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करें।

उल्लेखनीय है कि टीका उत्सव के संबंध में सायंकालीन समीक्षा बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, ताकि प्रगति पर नजर रखी जा सके और कोई कमी न रहे। यह अभियान बच्चों के स्वास्थ्य को मजबूत बनाने तथा महामारी जैसी बीमारियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक नरौली डॉ. विश्वास अग्रवाल, अपर शोध अधिकारी महेशचन्द्र गौतम, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक संजीव राठौर, प्रियंका सविता बीपीएम सहित एएनएम, सीएचओ एवं अन्य स्वास्थ्य स्टाफ उपस्थित रहे। सभी ने इस अभियान में योगदान देने का संकल्प लिया। स्वास्थ्य विभाग की यह पहल जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण कवरेज को बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

समस्त बैंक शाखा प्रबंधक के साथ जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में बैठक का आयोजन

बैठक में जिले के विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के शाखा प्रबंधकों ने किया प्रतिभाग

सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में प्रास्तावित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबरके सफलतापूर्वक आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ विदुषी सिंह की अध्यक्षता में समस्त बैंक शाखा प्रबंधकगण जनपद सम्भल के साथ जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के शाखा प्रबंधकों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान लोक अदालत में प्रस्तुत किये जाने वाले प्रकरणों की सूची, ऋण वसूली मामलों के मैत्रीपूर्ण निस्तारण, समझौते की संभावनाओं तथा आवश्यक दस्तावेजों की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की गयी। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सम्भल ने बैंक प्रतिनिधियों

को निर्देशित किया कि वे अधिकतम मामलों को लोक अदालत में प्रस्तुत करें, ताकि विवादों का शीघ्र, सरल एवं किफायती समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में समझौते के आधार पर निस्तारित मामलों पर अदालती शुल्क नहीं लगता तथा पक्षकारों को त्वरित राहत प्राप्त होती है। समस्त बैंक शाखा प्रबंधकगण ने आश्वासन दिया कि बैंक ग्राहक सेवा को और अधिक सुगम एवं संवेदनशील बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उक्त बैठक के अवसर पर नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत / अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश, सम्भल स्थित चन्दौसी अवधेश कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद सम्भल स्थित चन्दौसी पराग यादव एल.बी.ओ. जनपद सम्भल कुलदीप सागर, बैंक ऑफ बड़ौदा से कमल कुमार, यूनीयन बैंक ऑफ इंडिया से पारीतोष, इंडियन बैंक से देववृत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चन्दौसी से अजीत सिंह यादव, यू.पी. ग्रामीण बैंक से विशाल दीप, बैंक ऑफ इंडिया से प्रियांक कौशिक, केनरा बैंक ऑफ इंडिया से वीरेश, पंजाब नेशनल बैंक से एस. पी. रावत आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत / अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सम्भल स्थित चन्दौसी अवधेश कुमार सिंह द्वारा दी गयी।

डॉ भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल पथरा में की गई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

चंदोसी/संभल (सब का सपना):- डॉ भीमराव अंबेडकर कल्याण समिति के तत्वाधान में जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग की ' सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 'का आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल पथरा में किया गया। विद्यालय के 160 छात्र/छात्राओं ने पंजीकरण कराया जिनमें से 150 उपस्थित तथा 10 अनुपस्थित रहे। प्रश्न पत्र 'अ' तथा ' ब ' सेट में थे जिनमें विस्तृत विभिन्न विषयों के प्रश्न , स्थानीय प्रश्न एक एक अंक के 100 प्रश्न

90 मिनट की अवधि में पूछे गए। प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय उत्तर सहित तथा सरल सहज होने के कारण प्रतिभागी अत्यंत प्रसन्न मुद्रा में दिखाई दे रहे थे केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में विद्यालय के संचालक महानंदन गौतम तथा प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी केंद्र प्रभारी रहे। कक्ष निरीक्षकों में सीमा अग्रवाल, सुशीला, क्षमता, आरती सिंह,शालू, रंजीत कौर,राजकुमारी, योगेश, काजल ,दुर्गेशनंदिनी, रेशमा ने अपनी ड्यूटी संभाली। इस अवसर पर रिनी अग्रवाल, आभा रानी, अश्विनी शर्मा, शिवगणेश शर्मा, रमन शर्मा,गीता, श्याम सिंह आदि उपस्थित रहे। कक्ष व्यवस्था में सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, रंजीत कुमार, रमन शर्मा रहे। प्रतियोगिता प्रभारी एवं संयोजक प्रवीन कुमार रहे।

समाजवादी पार्टी की बैठक संपन्न, एस आई आर का काम जल्द पूरा करने के निर्देश

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक नवाब आशिक पैलेस संभल में संपन्न हुई बैठक में जिले की समीक्षा करने आए जिला संभल के एस आई आर प्रभारी जनाब कमाल अख्तर विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता एस आई आर में लगकर घर-घर जाकर वोटो को ठीक करने का काम करें एवं विधानसभा अध्यक्ष बी एल ए बनाकर पार्टी को जल्द से जल्द ऑनलाइन करने का काम करें जिससे आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ सके एवं उन्होंने चारों विधानसभाओं के विधानसभा अध्यक्षों से भी चर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए विधायक असमोली पिंकी सिंह यादव ने कहा

कि मेरी विधानसभा का कार्य लगभग पूरा हो चुका है विधानसभा अध्यक्ष से लेकर पार्टी के सभी जोन सेक्टर प्रभारी कार्यकर्ता पदाधिकारी लगे हुए हैं जल्द ही पूरा करके विधानसभा को मजबूत करने का काम किया जाएगा जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि जिले प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारी एवं नगर ब्लॉक अध्यक्ष कार्यकर्ता लगकर एस आई आर का काम जल्द से जल्द निपटने का काम करें विधायक संभल प्रतिनिधि नबाब सोहेल इकबाल महमूद ने आए हुए प्रभारी एवं अतिथि सभी का फूलमाला पहनकर स्वागत किया एवं उन्होंने कहा कि संभल विधानसभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री जनाब नवाज इकबाल मोहम्मद के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मजबूती से लगे हुए हैं जल्द ही सभी मिलकर एस आई आर का कार्य पूरा कर लेंगे बैठक में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी चंदौसी विमलेश कुमारी, प्रमोद यादव पूर्व जिला अध्यक्ष, ब्लॉक संभल प्रभारी इफ्तार, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार,विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान,असमोली उमेश यादव ,चंदौसी अमित यादव ,गुन्नौर इरफान प्रधान,सम्भल विधायक केपी यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष युवजनसभा सुनील यादव,सईद अख्तर इसराइली,बिट्टू कश्यप, जिला अध्यक्ष युवजन सभा पप्पू यादव,मुलायम सिंह यूथ बिगरेड, वरिष्ठ नेता लड्डन मियां, मोहम्मद आदिल, शोभित कुमार काका,रवि शंखधार,प्रतीक नानू,गुल्लू यादव, देवव्रत यादव, फैजान शाही, मनीष यादव,साबिर खान, जैफ कुरेशी, इंद्रजीत यादव ,जैकी भाई,अशरफ किदवई,बिट्टन मलिक चैरमेन, रामनिवास दिवाकर,सूर्य प्रताप यादव, यावर फराज ,ठाकुर के पी सिंह, अमरीश यादव,मनोज शर्मा, वीरपाल सिह यादव,साबिर खान, फराज असगर,एस पी, बिलाल शेख, सददन ,अजय जाटव ,ठाकुर विजेंद्र सिंह ,संजीव यादव डॉक्टर, हो राम सिंह जाटव,मुशर्रफ प्रधान, बीरन यादव, आदि उपस्थित रहे बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया।

फर्जी मुकदमे में फंसाने व धमकी देने के आरोप में दो महिला गिरफ्तार

संभल(सब का सपना):- नखासा थाना क्षेत्र में एक परिवार को फर्जी मुकदमे में फंसाने और पैसे की उगाही करने के प्रयास के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। थाना नखासा पुलिस ने दो महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित शहजाद पुत्र रिहान उर्फ भूरा ने अपनी तहरीरी शिकायत में बताया था कि अभियुक्त द्वारा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही थी और पैसे की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न करने पर जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया था। जिसके बाद तहासु और जैनब दोनों महिलाओं को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। नखासा थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्रवाई अभियोजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अभियुक्तों से पूछताछ जारी है, और मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है, और स्थानीय लोग फर्जी मुकदमों के खिलाफ सतर्क हो गए हैं।

अमरोहा: ग्राम पंचायत गजस्थल में जन चौपाल का सफल आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा अंतर्गत ग्राम पंचायत गजस्थल में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में जन चौपाल का आयोजन किया गया। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने व त्वरित निस्तारण का यह प्रभावी मंच साबित हुआ। ग्राम गजस्थल मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह सुचारु है तथा इस संबंध में कोई शिकायत नहीं आई। विद्युतीकरण के मुद्दे पर एक ग्रामीण ने नए स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल अधिक आने की शिकायत की। सीडीओ ने तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। उपखंड अधिकारी विद्युत ने बिल में छूट संबंधी सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा विद्युत सखी के माध्यम से बिल जमा करने हेतु प्रोत्साहित किया।स्वास्थ्य विभाग की अनुपस्थिति खटकी। कोई अधिकारी मौजूद नहीं रहा और न ही कोई स्वास्थ्य रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। ग्रामीणों ने आयुष्मान भारत कार्ड न बनने की समस्या उठाई, जिस पर ग्राम पंचायत सहायकों को नियम अनुसार तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए।महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत गांव में दो आंगनवाड़ी केंद्र हैं। गजल प्रथम पर 133 तथा गजस्थल द्वितीय पर 175 लाभार्थी पंजीकृत हैं। मौके पर उपस्थित बाल विकास परियोजना अधिकारी ने सभी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।पंचायती राज विभाग के तहत गांव में 29 हैंडपंप हैं।

ग्रामीणों ने जीराम तोड़ व होराम के घर के पास दो खराब हैंडपंपों की शिकायत की। सीडीओ ने तीन दिन में ठीक कराने के सख्त निर्देश दिए।जन चौपाल में जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, अपर कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश, जिला पंचायत राज अधिकारी पार्क सिसोदिया, अधिशासी अभियंता जल निगम, जिला उद्यान अधिकारी, सीडीपीओ अमरोहा एवं उपखंड अधिकारी विद्युत आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

भाकियू (शंकर) ने की पंचायत आंदोलन की तैयारी

किसानो की समस्या का समाधान नहीं तो होगा बड़ा जन आंदोलन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में किसानों की लंबित समस्याओं को लेकर बड़ा आंदोलन होने जा रहा है। किसान संगठनों ने जिला प्रशासन को साफ चेतावनी दे दी है कि अगर 7 दिसंबर 2025 तक उनकी मांगों का समाधान नहीं होता, तो 8 दिसंबर सोमवार दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। किसान नेताओं का कहना है चकबंदी में व्यापक, अनियमितताएँ, खादझबीज वितरण में भ्रष्टाचार, बैंकिंग सिस्टम की खराब कनेक्टिविटी, गन्ना तौल में 2झ3% घटतौली, ङउउ लिमिट न बढ़ाए जाने, सहकारी समितियों में सब्सिडी न मिलने, और सहकारी बैंक में गलत ब्याज वसूली समेत कई गंभीर मुद्दों पर प्रशासन लगातार मौन है। संगठन ने आरोप लगाया कि, चकबंदी विभाग में मिलीभगत से किसानों की जमीन कम दर्ज की गई, गन्ना क्रय केंद्रों पर अवैध कटौती चल रही है, ठल्र-9 और ग्रामीण सड़कों पर ओवरलोडिंग से बढ़ रही दुर्घटनाएँ, अमरोहा में विकास प्राधिकरण, ट्रॉमा सेंटर और 132 केवीए विद्युत घर की मांग अब जरूरी हो चुकी है। किसानों ने साफ कहा है कि अगर अधिकारी पंचायत स्थल पर समय पर नहीं पहुंचे, तो किसान आमरण अनशन, भूख हड़ताल और बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करेंगे।

इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।संगठन ने महिला कार्यकताओं को ध्यान में रखते हुए।पुलिस सुरक्षा, साफ-सफाई, पानी और जनसुविधाओं की व्यवस्था कराने की भी मांग की है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन किसानों की इस चेतावनी पर क्या कदम उठाता है।

जनपद में फॉर्म डिजिटाइजेशन का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद ने डिजिटल इंडिया अभियान के तहत फॉर्म डिजिटाइजेशन में शानदार सफलता हासिल की है। जिला प्रशासन के अनुसार आज दोपहर 12 बजे तक कुल 91.36 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो चुके हैं। अब तक 12,51,916 फॉर्म सफलतापूर्वक डिजिटाइज किए जा चुके हैं, जो जनपद की कार्यक्षमता और तकनीकी दक्षता का बेहतरीन उदाहरण है।तहसील वार प्रदर्शन की बात करें तो नौगांवा सादात तहसील ने सबसे आगे रहते हुए 96.98 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर पूरे जनपद में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद अमरोहा तहसील 91.68 प्रतिशत और हसनपुर तहसील 91.61 प्रतिशत के साथ लगभग बराबर प्रदर्शन कर रही हैं। धनौरा तहसील ने हालांकि 85.42 प्रतिशत के साथ सबसे कम प्रगति दिखाई है, लेकिन प्रशासन का दावा है कि शीघ्र ही यह अंतर भी पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह सफलता कर्मचारियों, अधिकारियों और आम जनता के सहयोग से संभव हुई है। डिजिटलाइजेशन से पारदर्शिता बढ़ेगी, कागजी कार्यवाही कम होगी और जनसेवाएं तेज होंगी। जनपद प्रशासन ने शेष बचे फॉर्म को जल्द से जल्द डिजिटल करने का लक्ष्य रखा है ताकि अमरोहा उत्तर प्रदेश के डिजिटल जनपदों में अग्रणी बन सके।

कु रुक्षेत्र में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने पहु ंचे थे सीएम सैनी

वहां चोरों ने डाला खलल...दुल्हे के शगुन के लाखों रुपए किए चोरी

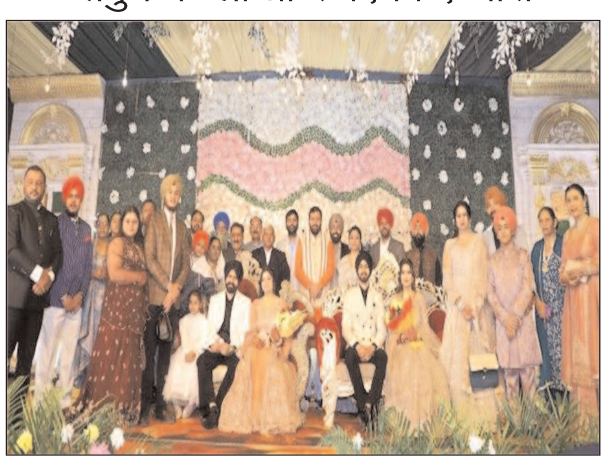

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में चोरों ने दूल्हे के शगुन पर हाथ साफ कर दिया। चोर गाड़ी की सीट के नीचे से शगुन से भरा बैग चुरा ले गए। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने पहुंचे थे, उनके जाने के बाद चोरों से वारदात को अंजाम दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें चोर बैग लेकर आराम से रिसॉर्ट से बाहर जाते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि चोरों ने पहले रिसॉर्ट में चल रहे फंक्शन में खाना भी खाया। घटना 1 दिसंबर रात करीब सवा 11 बजे की है। पुलिस ने दूल्हे के पिता की शिकायत पर केस दर्ज किया है। रिसॉर्ट में 2 भाइयों की शादी की रिसेप्शन पार्टी थी।2 बेटों की शादी का रिसेप्शन सेक्टर-7 के रहने वाले हरदीप सिंह ने बताया कि वे प्रॉपटी डीलर का काम करते हैं। उनके दो बेटे जसविंदर सिंह और सर्वजीत सिंह की शादी थी। शादी के बाद उन्होंने 1 दिसंबर की रात को विर्क रिसॉर्ट में रिसेप्शन पार्टी रखी थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उनके बेटे और पुत्रवधुओं को आशीर्वाद देने पहुंचे थे।कार की सीट से उड़ाया बैग मुख्यमंत्री के जाने के बाद वे अपनी रिश्तेदार की कार से मिठाई निकालने के लिए थे। यहां उन्होंने शगुन के पैसों से भरा बैग गाड़ी की सीट के नीचे रख दिया और गाड़ी की डिक्की से मिठाई निकालने में बिजी हो गए।

इसी दौरान पार्टी में मेहमान बनकर आए चोर शगुन के पैसे से भरा बैग लेकर भाग गए। बैग में 8 से 10 लाख कैश होने की संभावना है। पार्टी में शगुन रखने की जिम्मेदारी रिश्तेदार को दी थी। रिश्तेदार के अलावा उनके पास भी कई लोगों ने शगुन दिया था। इसको भी उन्होंने बैग में डाल दिया था। फुटेज में चोर बैग चुराकर आराम से जाते दिख रहे हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने ऋक्रफ़ दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा भी लिया और सीसीटीवी फुटेज भी देखी। फिलहाल पुलिस चोरों की पहचान और उनकी तलाश में जुटी है।

दुकानदार की हत्या मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी ने विदेश में बैठकर करवाया था मर्डर

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र में दुकानदार की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए-2 टीम ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी विदेश में बैठकर पूरी वारदात को अंजाम दिलवाता रहा। यह जानकारी एएसपी प्रतीक गहलोत ने प्रेस वार्ता में दी। एएसपी ने बताया कि 15 नवंबर 2025 की शाम गांव खेड़ी मारकंडा में तीन युवक मोटरसाइकिल पर आए थे और दुकानदार रामचंद्र पर गोलियां चला दी थीं। गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़ ले जाया गया रामचंद्र वहां इलाज के दौरान दम तोड़ गया। वारदात के बाद पुलिस ने पहले चरण में नितिन, अनमोल और साहिल को गिरफ्तार किया था, जिनमें से 2 को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगी थी। मामले की आगे की जांच में सीआईए-2 टीम ने 3 और आरोपी कृष्णा उर्फ गांधी, चेतन नाथ और जय कुमार को भी दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों की मृतक से पुरानी रंजिश थी, जिसके चलते यह हत्या की गई। एएसपी गहलोत ने बताया कि साजिश रचने वाला मुख्य आरोपी विदेश में है। उसके खिलाफ एलवोसी जारी कर दी गई है और जल्द उसे गिरफ्तार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

हांसी में तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, महिला की दर्दनाक मौत, 2 घायल

हांसी : हांसी में जींद रोड पर सिसाय मोड़ के नजदीक एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में लगभग 70 वर्षीय महिला कपूरी की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं आरोपी कार चालक फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गांव सिसाय कालीरामण निवासी खुशीराम (50) अपनी बेटी मीनू (12) और कपूरी (70) को मोटरसाइकिल पर बैठाकर हांसी आ रहे थे। जैसे ही वे सिसाय मोड़ के पास पहुंचे, उसी दौरान जींद की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक कई मीटर तक घसीटती चली गई और तीनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। इंचार्ज राजपाल अपनी टीम सहित मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत हांसी के सामान्य अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने वहां कपूरी को मृत घोषित कर दिया। घायलों का इलाज हांसी के निजी अस्पताल में जारी है।हादसे की सूचना मिलते ही शेखपुरा पुलिस चौकी से प्रेम स्वरूप भी टीम सहित मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस के अनुसार, टक्कर मारने वाला कार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला की तेजधार हथियार से हत्या, दरवाजा नहीं खोला तो बेटी को हुआ शक, चेहरे पर चोट के निशान

टोहाना : टोहाना शहर की बाबा बूटा बस्ती में एक वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला के मुंह पर तेजधार हथियार से चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतक महिला की बेटी रमिया ने बताया कि उनकी माता कई वर्षों से अपने बेटे राहुल के साथ रहती थीं। सुबह जब उन्होंने गेट नहीं खोला, तो परिजनों ने मकान की छत के रास्ते नीचे उतरकर देखा। महिला मृत अवस्था में पड़ी मिलीं। पड़ोसियों ने भी सुबह महिला को आवाज दी और फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

चेहरे पर मिले चोट के निशान

इसके बाद वे पड़ोसी की दीवार के रास्ते घर में दाखिल हुए, जहां मृतका के चेहरे पर तेजधार हथियार से वार के निशान थे। परिजनों ने महिला के बेटे राहुल पर नशे की लत के कारण हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस इस आरोप की गंभीरता से जांच कर रही है।पुलिस ने मौके से जुटाए साक्ष्य

घटनास्थल पर सीन ऑफ क्राइम की टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। शहर पुलिस की टीम थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह के नेतृत्व में मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि मृतक महिला के बेटे के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

2 बच्चों की मां थी मृतक महिला

आसपास के लोगों ने बताया कि महिला करीब 5 साल से बाबा बूटा बस्ती में अपने बेटे के साथ रह रही थी। मृतका की एक बेटी और दो बेटे हैं, जिनमें बड़ा बेटा मंदीप और बेटी रमिया शादीशुदा हैं। बताया जा रहा है कि बेटा नशे के आदि है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

EVM स्ट्रॉन्ग रूम में नशे में धुत मिला पुलिसकर्मी, शराब की दर्जनों खाली बोतलें बरामद

यमुनानगर : यमुनानगर में EVM स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। चुनावी प्रक्रिया में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इन मशीनों की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिसकर्मी को ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में पाया गया। शिकायत मिलने पर जब प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, तो वहां की स्थिति देखकर वे हैरान रह गए। कमरे में डस्टबिन से लेकर फर्श तक शराब की खाली बोतलें बिखरी पड़ी थीं और जवान नशे की हालत में जमीन पर लेटा मिला। मौके से एक भरी हुई शराब की बोतल भी बरामद हुई। पूछताछ में जवान ने स्वीकार किया कि वह जनवरी से इसी कमरे में रह रहा है और लगातार शराब पी रहा है। उसने यह भी कहा कि पहले वह महंगी विदेशी शराब ब्लैक डॉग पीता था, लेकिन लंबे समय तक खराब हालात में रहने के कारण अब उसे सस्ती देसी शराब पीनी पड़ रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जवान पर सैकड़ों EVM मशीनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, वही महीनों से नशे में डूबा मिला और प्रशासन को इसकी भनक भी नहीं लगी। शिकायत न मिलती तो संभवतः यह लापरवाही सामने ही नहीं आती। फिलहाल गांधी नगर थाना पुलिस ने जवान को हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए भेज दिया है।अहम सवाल यह घटना उन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जिनके आधार पर जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का भाग्य तय होता है। स्ट्रॉन्ग रूम की यह स्थिति सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविकता को उजागर करती है।

VIP नंबर की 1.17 करोड़ की बोली लगाकर पीछे हटना पड़ा भारी, अनिल विज ने दिए ये निर्देश

चंडीगढ़ : हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में हाल ही में एचआर 88 बी 8888 नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी के दौरान किसी व्यक्ति ने 1 करोड़ 17 लाख रूपए की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। लेकिन बोली लगाने के बाद उस व्यक्ति ने अपनी सुरक्षा राशि जब्त होने दी, इसलिए इस संबंध में उस व्यक्ति की संपति और आय की जांच करवाई जाएगी। देखा जाएगा कि वास्वत में उस व्यक्ति की आर्थिक क्षमता एक करोड 17 लाख रूपए की बोली लगाने की है या नहीं। मीडिया कर्मियों से आज बातचीत करते हुए मंत्री अनिल विज ने बताया कि राज्य में फैंसी और वीआईपी वाहन नंबर नीलामी प्रणाली से आवंटित किए जाते हैं और कई लोग बड़ी-बड़ी बोलियां लगाकर इन नंबरों को खरीदने की कोशिश करते हैं। यह न केवल प्रतिष्ठा का विषय होता है, बल्कि सरकार की राजस्व वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एचआर 88 बी 8888 नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी के दौरान किसी व्यक्ति ने 1 करोड़ 17 लाख रूपए की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। लेकिन बोली लगाने के बाद उस व्यक्ति ने अपनी सुरक्षा राशि जब्त होने दी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बोली लगाना सिर्फ शौक बनता जा रहा है, न कि जिम्मेदारी। व्यक्ति की आय और संपत्ति की होगी जांच, आयकर विभाग को पत्र भेजा जाएगा   विज परिवहन मंत्री ने कहा कि मैंने परिवहन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिस व्यक्ति ने यह बोली लगाई, उसकी संपत्ति और आय की पूरी जांच करवाई जाए। यह देखा जाए कि वास्तव में उस व्यक्ति की आर्थिक क्षमता 1 करोड़ 17 लाख रुपये की बोली लगाने की है भी या नहीं।ह्व उन्होंने आगे बताया कि इस संबंध में आयकर विभाग को भी पत्र भेजकर विस्तृत जांच के लिए कहा जा रहा है,

ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति गलत जानकारी या बिना आर्थिक क्षमता के बोली न लगा सके। गौरतलब है कि गत दिनों चरखी दादरी के बाढ़ड़ा उपमंडल के 'HR88B8888' नंबर के लिए ऑनलाइन ऑक्शन हुई थी। इस नंबर की नीलामी 1 करोड़ 17 लाख रुपये तक हुई थी और हिसार के एक व्यक्ति ने यह बोली लगाई थी और 11 हजार सुरक्षा राशि जमा कराई थी, मगर बोली के पैसे जमा करवाने के आखिरी दिन उसने पैसे जमा नहीं करवाए।

हरियाणा की साइको किलर लेडी गिरफ्तार, 4 बच्चों की कर चुकी हत्या...वजह कर देगी हैरान

पानीपत : पानीपत पुलिस को बच्ची की हत्या मामले में बड़ी सफलता मिली है। पानीपत पुलिस ने नौल्था गांव में हुई 6 वर्षीय बच्ची विधि की हत्या की वारदात का महज 36 घंटे में पदार्फाश कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची विधि परिवार के साथ नौल्था गांव में शादी समारोह में आई हुई थी। बच्ची का 1 दिसंबर की सांय घर के स्टोर रूम में रखे पानी से भरे टब में शव मिला था। बताया जा रहा है कि पकड़ी गई आरोपी महिला साइको किलर है। मुझसे कोई सुंदर ना दिखे इसलिए हत्या की वारदात को अंजाम देती थी । शक ना हो इसलिए बेटे को भी मौत के घाट उतारा था। महिला का टारगेट सुंदर बच्चियां होती थी। आरोपी महिला ने पूछताछ में किए चौंकाने वाले खुलासे पूछताछ में आरोपी महिला ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने कहा कि पहले भी अपने बच्चे समेत 3 बच्चों की हत्या कर चुकी है। तीनों बच्चों की मौत को परिजनों ने इत्तेफाकिया मौत समझा था। अब खुलासा हुआ है।

जिले में कड़ाके की ठंड से राहत के लिए जिला प्रशासन ने किए पुख़्ता इंतजाम

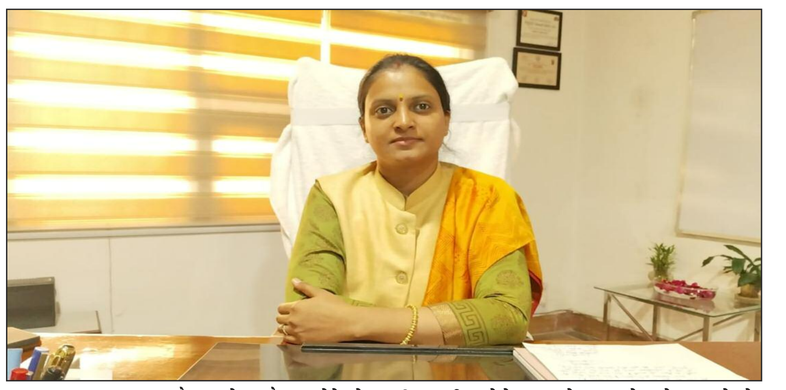

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में तापमान लगातार गिरने के साथ कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। ठिठुरन भरी रातों में बेघर, यात्री और जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर पूरे जिले में रैन बसेरों की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका और नगर पंचायतों द्वारा मुख्य बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अस्थायी रैन बसेरे स्थापित किए जा रहे हैं। इन रैन बसेरों में साफ-सुथरे गद्दे, गर्म रजाई, कंबल और पीने का पानी उपलब्ध रहेगा। साथ ही साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा और प्रत्येक रैन बसेरे में केयरटेकर तैनात किए जाएंगे, जो रात भर निगरानी करेंगे।ठंड से पशुओं को बचाने के लिए भी प्रशासन ने कमर कस ली है। जिले की सभी गौशालाओं में गोवंश के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। सभी गौशालाओं को चारों ओर से त्रिपाल से ढक दिया गया है, जिससे ठंडी हवाएं अंदर न आएं। कई गौशालाओं में हीटर भी लगाए गए हैं ताकि तापमान नियंत्रित रहे। जिलाधिकारी ने गौशाला कर्मचारियों से अपील की है कि पशुओं को लगातार ताजा और गुनगुना पानी पिलाया जाए।जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि मानव और पशु दोनों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। ठंड से किसी को भी परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभागों को अलर्ट कर दिया गया है। प्रशासन की कोशिश है कि इस कड़ाके की सर्दी में कोई भी असहाय न रहे।

केनरा बैंक प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षुओं ने सीखा जोखिम प्रबंधन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (CBRSETI), संभल के बहजोई केंद्र में वर्तमान में तीन बैचों के माध्यम से कुल 103 प्रशिक्षुओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन बैचों में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर और उद्यमिता विकास के कोर्स संचालित हो रहे हैं।

व्यवसाय में आने वाले विभिन्न प्रकार के जोखिमों को समझने व उनसे निपटने के लिए जोखिम प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षुओं को बताया गया. संकाय मानसी शर्मा एवम अंकित राठौर ने रिंग टॉस खेल के द्वारा इसका प्रशिक्षण दिया. संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि सभी प्रशिक्षण पूर्ण रूप से निःशुल्क हैं और खेल के माध्यम से इन्हें सिखाया जाता है. ब्यूटी प्रैक्टिशनर (ब्यूटी पार्लर) के प्रशिक्षण में वैक्स लगाने का प्रशिक्षण दिया गया. अभी तक सैकड़ों प्रशिक्षु इन कोर्सेज से प्रशिक्षित होकर अपना रोजगार शुरू कर चुके हैं या विभिन्न संस्थानों में सेवारत हैं। आगामी बैचों में प्रवेश के लिए इच्छुक युवा संस्थान

संक्षिप्त समाचार

यीशु पर बनी रूबेन्स की दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

पेरिस, एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई पेंटिंग वर्सलीज में नीलामी के दौरान 27 लाख डॉलर में बिकी। ईसा मसीह (यीशु) को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य बताने वाली यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी। विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने कहा, यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व–घाव से रक्त और पानी बहते दिखाया है। रूबेन्स ने इसे एक बार में बनाया था।

कराची : तेज रफ्तार स्पीडबोट की टक्कर में यात्री नाव डूबी, 2 मरे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के मनोरा के पास समुद्र में रविवार शाम एक निजी स्पीडबोट की टक्कर एक यात्री नाव से हो गई। इस हादसे में एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि शाम 6 :30 बजे जब यह टक्कर हुई तब नाव मनोरा बीच से जेटी नंबर 1 की ओर जा रही थी। टक्कर से नाव पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसमें चार परिवारों के कुल 22 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान नौसेना और कराची पोर्ट ट्रस्ट ने उन्हें बचाया। रजा ने कहा कि दो घायल लड़कियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

तस्करी के शक में ईरान में दो द. कोरियाई नागरिक गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि ईरान में तस्करी के शक में दो दक्षिण कोरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान में उनका राजनयिक मिशन ईरानी अधिकारियों के साथ संपर्क में है। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता दी जाएगी। हालांकि, मंत्रालय ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पेशा या आरोपों की सटीक प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

चीनी जल विद्युत प्रोजेक्ट में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन के फुजियान प्रांत में बन रहा एक प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट योंगआन पावर स्टेशन गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के आरोपों के कारण जांच के घेरे में है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 7.5 अरब युआन (1.06 अरब अमेरिकी डॉलर) की इस परियोजना में घटिया सामग्री और लापरवाही से निर्माण करने का आरोप है। जांच में पाया गया कि इसके निचले जलाशय (लोअर रिजर्वायर) में गंभीर गुणवत्ता दोष हैं। यह लोअर रिजर्वायर बिजली उत्पादन का मुख्य केंद्र है।

बलूचिस्तान : अर्धसैनिक बल मुख्यालय पर हमले में 3 मौतें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम बताते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल का दावा है कि चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय पर आत्मघाती हमले के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया। इस पर त्वरित जवाबी कार्रवाई की गई। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। इस बीच मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन आतंकियों को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार, बीएलए चरमपंथियों ने पंजगुर के गुरमाकन क्षेत्र में एक अन्य एफसी चौकी को भी निशाना बनाया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है इस घटना में कई हमलावर मारे गए लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जिसके कारण कई सशस्त्र हमलावर शिविर में घुस गए। कई घंटे तक झड़पें जारी रहीं।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई: रैली-जुलूस निकालने पर रोक

प्रदर्शन की धमकी के बाद फैसला, इमरान से मिलने की मांग कर रही पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है।

आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है।

दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में : आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे : पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी : इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।

सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था : इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने 27 नवंबर को सड़क पर गिराकर पीटा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी गुरुवार को जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। पीटीआई ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है। अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी थी अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत 15 देशों का चीन पर मानवाधिकार हनन का आरोप रिपोर्ट पर जताई गहरी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। 15 देशों के गठबंधन ने 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के दौरान चीन पर गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन का आरोप लगाया है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे राष्ट्रों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर गहरी चिंता जताई।

फयूल की एक रिपोर्ट के अनुसार इन्होंने अपने बयान में चीन सरकार पर मनमानी हिरासत, जबरन श्रम, अवैध सामूहिक निगरानी, और धार्मिक/ सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर महत्वपूर्ण अंकुश लगाने की निंदा की। उइगरों, तिब्बतियों, ईसाइयों और फालुन गोंग अभ्यासी समेत अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार दुर्व्यवहार की विश्वसनीय रिपोर्टों पर जोर दिया गया। बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने और राज्य-संचालित आवासीय स्कूलों में भेजने और सांस्कृतिक/ धार्मिक स्थलों को नष्ट करने जैसी प्रथाओं का भी उल्लेख किया गया।

हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के क्षरण पर भी चिंता : गठबंधन ने हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के गंभीर रूप से क्षरण पर भी चिंता जताई। 15 देशों ने बीजिंग से तत्काल और बिना शर्त उन सभी व्यक्तियों को रिहा करने की मांग की, जिन्हें केवल उनके मानवाधिकारों का प्रयोग करने के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने चीन से अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह भी किया। पहले भी चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं।

यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल हुआ कनाडा, अमेरिका से बढ़ रही दूरी

ओटावा, एजेंसी। यूरोपीय संघ रक्षा फंड में कनाडा भी शामिल हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कनाडा के इस कदम को सैन्य खर्च के लिए अमेरिका पर निर्भरता से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल होने के बाद कनाडा को 150 अरब यूरो का रक्षा कर्ज आसानी से मिल सकेगा। यूरोपीय संघ के इस रक्षा फंड को यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (एसएएफई) के नाम से जाना जाता है। इस समूह में शामिल होने के बाद कनाडा की कंपनियों को विभिन्न रक्षा उपकरण खरीदने के लिए यूरोपीय संघ का सस्ता लोन मिल सकेगा।

क्या है एसएएफई : यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई यूरोपीय संघ का एक वित्तीय साधन है जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को साझा रक्षा खरीद के लिए 150 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह यूरोपीय संघ के उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा और इसका लक्ष्य यूरोपीय रक्षा और औद्योगिक आधार को मजबूत करना, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देना और यूरोपीय रक्षा को मजबूत करना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, एसएएफई में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' गौरतलब है कि कनाडा पहला गैर-यूरोपीय देश है जिसे रक्षा फंड में शामिल किया गया है। मार्क कार्नी ने कहा कि इससे कनाडा और यूरोपीय देशों के रिश्तों में भी मजबूती आएगी।

मादुरो को ट्रंप की चेतावनी, फोन कर कहा- देश छोड़ दें, अमेरिका-वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर खतरे की रेखा पार करता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर बात की और उन्हें तीखा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि वह तुरंत देश नहीं छोड़ते, तो हालात और गंभीर हो जाएंगे। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ चुकी है और दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही बेहद तनावपूर्ण हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने मादुरो से साफ कहा, 'आप खुद को और अपने करीबियों को बचा सकते हैं, लेकिन आपको अभी देश छोड़ना होगा।' अमेरिका ने मादुरो, उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस और उनके बेटे को सुरक्षित रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव मादुरो के कई शीर्ष सहयोगियों तक भी बढ़ाया गया था। लेकिन मादुरो ने इसे ठुकरा दिया। वेनेजुएला की तरफ से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली, मादुरो और उनके करीबी सर्कल के लिए वैश्विक माफी और दूसरी, वेनेजुएला की सेना पर पूरा नियंत्रण बनाए रखने का अधिकार। अमेरिका ने इन दोनों मांगों को मंजूर करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बातचीत पूरी तरह टूट गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधा संकेत : ट्रंप ने रविवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हाल ही में मादुरो से बात की है, लेकिन उन्होंने बातचीत की प्रकृति पर कोई जानकारी देने से मना कर दिया। इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने दुनिया को चेतावनी दी कि वेनेजुएला का एयरस्पेस पूरी तरह बंद माना जाए। उनकी इस घोषणा के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों ने वेनेजुएला के ऊपर से उड़ान भरना बंद कर दिया। फ्लाइटराडार24 के मुताबिक, देश के ऊपर एक भी विदेशी विमान नहीं देखा गया। कुछ एयरलाइंस ने वैकल्पिक रास्ते अपनाए, जबकि कई ने सेवाएं रोक दीं।

शर्तों की वजह से अटका समाधान : रिपोर्ट के अनुसार, कॉल 16 नवंबर को हुई थी। इसमें मादुरो ने दो बड़े आश्वासन मांगे पहला, कि उन्हें और उनकी टीम को किसी भी मौजूदा आरोपों से वैश्विक स्तर पर पूरी तरह माफी मिले। दूसरा, वेनेजुएला की सेना पर उनका नियंत्रण बना रहे, भले ही भविष्य में देश में स्वतंत्र चुनाव हों। अमेरिका ने इन दोनों शर्तों को सख्ती से खारिज कर दिया और कहा कि मादुरो को पद तुरंत छोड़ना होगा। बताया गया कि मादुरो सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से दोबारा बातचीत की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मादुरो और उनकी शासन व्यवस्था पर अब तक का सबसे बड़ा दबाव बना रही है।

बातचीत टूटने के बाद अमेरिका ने अपने शब्दों के साथ-साथ अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सैन्य अभियान जल्द ही जमीन पर शुरू हो सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी जहाज और लड़ाकू विमान कैरेबियन में सक्रिय दिखाई दिए। अमेरिका ने दावा किया है कि वेनेजुएला की जमीन से ड्रग तस्करी बढ़ रही है, जिससे अमेरिका में 100000 लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र विजय कुमार की की चाकू मारकर हत्या, परिवार ने दी श्रद्धांजलि, पुलिस की जांच तेज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे 30 वर्षीय भारतीय छात्र विजय कुमार श्योराण की हत्या से उनके परिवार और समुदाय में गहरी शोक की लहर है। वेस्ट मर्सिया पुलिस ने सोमवार को औपचारिक रूप से उनकी पहचान जारी करते हुए परिवार की भावुक श्रद्धांजलि साझा की और मामले से जुड़े किसी भी तरह की जानकारी देने की अपील दोहराई।

पुलिस के मुताबिक, पिछले मंगलवार को वॉर्सेस्टर के बारबॉर्न रोड पर विजय गंभीर हालत में मिले थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या के शक में गिरफ्तार किए गए पांच लोग फिलहाल जमानत पर हैं, जबकि जांच अभी जारी है।

परिवार ने कहा- विजय ऊर्जा, खुशी और हंसी का दूसरा नाम था

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के जग्गामबास गांव के रहने वाले विजय को परिवार ने एक ऐसे इंसान के रूप में याद किया, जिसकी मौजूदगी से हर कमरे में रोशनी फैल जाती थी। परिवार द्वारा जारी बयान में कहा विजय हमारे जीवन में ऊर्जा, खुशी और हंसी लेकर आया। वह जहां भी जाता, माहौल को खुशनुमा बना देता। कठिन परिस्थितियों में भी उसका मनोबल अटूट रहता था। वह दिल से जीने वाला इंसान था। परिवार ने आगे कहा उसका हर छोटा कदम, उसकी हर मुस्कान, उसकी हर दया हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उसकी असमय मौत ने हमारे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता।

पुलिस की अपील- किसी के पास भी जानकारी हो तो सामने आए : वेस्ट मर्सिया पुलिस के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर ली होलहाउस ने कहा कि उनकी टीम घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों में हमने कई अहम सुराग जुटाए हैं। लेकिन हमें और जानकारी की जरूरत है। जो भी व्यक्ति घटना के बारे में कुछ जानता हो, वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे। होलहाउस ने यह भी बताया कि पुलिस की टीम सप्ताहांत में भी बारबॉर्न रोड पर मौजूद रही और समुदाय को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

विधायक ने केंद्र सरकार से की मदद की अपील : चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने सोशल मीडिया पर विजय की मौत पर दुख जताया और भारत सरकार से परिवार की हर संभव मदद करने की अपील की। उन्होंने लिखा हम मांग करते हैं कि मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए और जांच पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

बांग्लादेश लौटने की तैयारी में बेटा तारिक रहमान, 15 साल से लंदन में हैं निर्वासित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष 80 वर्षीय बेगम खालिदा जिया की तबीयत गंभीर बनी हुई है। ताजा अपडेट के अनुसार उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है। उनकी सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल में पुलिस और विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की तैनाती की गई है। दूसरी ओर अब खालिदा जिया की ज्यादा गंभीर होती तबीयत को देखते 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। इस बात की जानकारी बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने दी। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि खालिदा जिया के बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, जो पिछले 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं, जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। तारीक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कारण है कि रहमान अस्थायी सरकार द्वारा दिए गए एक बार यात्रा पास का इस्तेमाल नहीं करना चाहते।

चुनाव को लेकर भी पार्टी में हलचल : बता दें कि अगले साल फरवरी में होने वाले बांग्लादेशी आम चुनाव को लेकर भी देशभर में हलचल तेज है। ऐसे में बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया का स्वास्थ्य खराब होना, पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। ऐसे में बीएनपी की शीर्ष बैठक में पार्टी ने चुनावी रणनीति और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की। बीएनपी, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य में फिर से मुख्य राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है। बढ़ाई गई अस्पताल की सुरक्षा उधर, खालिदा जिया की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह 2 बजे के करीब अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाई गई और दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मध्यरात्रि से विशेष सुरक्षा बल के चार सदस्य अस्पताल में पहुंचे और लगभग तीन घंटे तक सुरक्षा निरीक्षण किया।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़

सिडनी, एजेंसी। सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री 'अत्यंत भयावह' है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

कैसे पकड़े गए आरोपी : पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी : पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-

अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं। अधिकारियों ने कहा कि वे वैश्विक एजेंसियों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित बच्चे कौन थे, उन्हें कहां प्रताड़ित किया गया और अपराध के पीछे कौन लोग हैं।

आरोपियों के नाम और आरोप : गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय लैंडन जर्मनोटा-मिल्स को इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है। अन्य तीन आरोपी स्टुअर्ट वुड्स रिचेस (39), मार्क एंड्रयू सेनडेक्की (42) और बेनजामिन रेमंड ड्राइस्डेल (46) हैं। चारों पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने के आरोप लगे हैं। जर्मनोटा-मिल्स पर बेस्टियालिटी सामग्री फैलाने और अपने पास रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अदालत ने चारों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है और वे अब जनवरी के अंत में अगली सुनवाई के लिए पेश होंगे।

पीड़ितों की पहचान में जुटी पुलिस : पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से जारी है। अधिकारी जेन डोहर्टी का कहना है कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि यह अपराध संगठित तरीके से चलाया जा रहा था और सामग्री को एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए साझा किया जाता था, ताकि पहचान छुपी रहे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ते ही कई और खुलासे हो सकते हैं।

रायपुर में 'किंग कोहली' का जलवा, 53वें शतक से रचा इतिहास, गायकवाड़ ने भी दिखाया दम

रांची (एजेंसी)। विराट कोहली ने बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अपना 53वां वनडे शतक लगाया। यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लगातार दूसरा शतक भी था। पहले वनडे में, कोहली ने रांची में भारत की 17 रनों की जीत में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाए थे।

37 वर्षीय दिग्गज बल्लेबाज ने 90 गेंदों में अपना 53वां वनडे शतक पूरा किया। कुल मिलाकर, यह भारतीय महान का 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में महान सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक हैं। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की। रुतुराज गायकवाड़ ने भी अपना पहला वनडे शतक जड़ा। रायपुर में इस स्टार बल्लेबाज़ ने 77 गेंदों में शतक पूरा किया।

उन्होंने 83 गेंदों पर 105 रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक जड़ा। कोहली की तरह, गायकवाड़ ने भी स्ट्राइक रेट से समझौता नहीं किया और बीच में कुछ बेहतरीन शॉट खेले। मैच के 36वें ओवर में मार्को जेनसन ने उन्हें आउट कर दिया। गौरतलब है कि दोनों ने 195 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत दूसरे वनडे में बढ़त बना पाया। वे बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे और इसी के लिए केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया है।

कोहली ने 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। इससे पहले, यशस्वी जायसवाल (22) और रोहित शर्मा (14) सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बावुमा और महाराज को पहले मैच में आराम दिया गया था, लेकिन इस मैच में दोनों की वापसी हुई है।

हार्दिक टी20 में 300 छक्के लगाने वाले धोनी के बाद दूसरे खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी ऑलराउंडर पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। हार्दिक ने पंजाब के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में अपनी 42 रनों की पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपनी 300 छक्के पूरे कर लिए। इसी के साथ ही हार्दिक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरी खिलाड़ी बन गये हैं। यह उपलब्धि हार्दिक की पावर-हिटिंग क्षमता और लगातार सुधारते प्रदर्शन को दर्शाती है।

हार्दिक बड़ौदा की ओ से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में पहला छक्का लगाते ही उनके 300 छक्के पूरे हो गये। हार्दिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि अब वह फिट हो गये हैं। हार्दिक अब भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टी20 क्रिकेट में बिना एक भी शतक लगाए 300 या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। उनका टी20 करियर का सर्वोच्च स्कोर 91 रन है, और अब तक वे 268 पारियों और 309 मैचों में कुल 303 छक्के उनके नाम हैं। यह उपलब्धि बताती है कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर नहीं, बल्कि एक दमदार फिनिशर और पावर-हिटर भी हैं। वही धोनी ने 355 टी20 पारियों में बिना शतक लगाए 350 छक्के लगाए थे।

आईपीएल 2026 नीलामी : इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर होगी पैसों की बारिश, बन सकते हैं सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 के मिनी ऑक्शन से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे चर्चित नामों में शामिल हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस बार वह ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी भविष्यवाणी की है कि ग्रीन इस सीजन में बड़ी बोली हासिल कर सकते हैं।

अश्विन ने बताया ग्रीन को 'जैकपॉट खिलाड़ी'

अश्विन के अनुसार, इस साल आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे विस्फोटक विदेशी ऑलराउंडर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजियां तेज गेंदबाजी करने वाले और मिडिल ऑर्डर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी की तलाश में सीधे कैमरन ग्रीन पर नजरें टिकाएंगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'कैमरन ग्रीन को कह दो कि सिडनी हार्बर के पास 4-5 एकड़ जमीन बुक कर लें। इस बार ऑक्शन में न रस्सेल हैं, न मैक्सवेल। ऐसे में ग्रीन और लियाम लिविंगस्टोन दोनों के लिए बड़ा जैकपॉट तैयार है।'

क्यों है ग्रीन की वैल्यू इतनी ज्यादा?

कैमरन ग्रीन इस समय दुनिया के सबसे 'कम्प्लीट' टी20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं- धाकड़ मिडिल-ऑर्डर हिटर, 140+ किमी/घं. की रफ्तार से गेंदबाजी, शानदार फील्डिंग, युवा और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट। 2025 में उनके लगातार उत्कृष्ट टी20 प्रदर्शन ने उनके मूल्य को और बढ़ा दिया है। ग्रीन ने 40+ की औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो टी20 में बेहद दुर्लभ है।

आईपीएल में अब तक का प्रदर्शन

सिर्फ दो सीजन में ही कैमरन ग्रीन ने अपना दम दिखा दिया है: 29 मैच, 707 रन, 1 शतक, 16 विकेट। ग्रीन ने प्रेशर सिचुएशन में भी मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं और जरूरत के हिसाब से आक्रामक या एंकर दोनों भूमिकाएं निभाई हैं। यही वजह है कि कई टीमें उन्हें अपने 'ड्रीम साइनिंग' के रूप में देख रही हैं।

हार्दिक पांड्या की वापसी, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी: दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे।

हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज़ में भाग लेने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंजूरी लेनी होगी। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज़ का पहला टी20आई 9 दिसंबर को कटक में प्रोटियाज के खिलाफ खेलेगी। मुलनपुर 11 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20आई की मेजबानी करेगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर को धर्मशाला में और चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में खेला जाएगा। अहमदाबाद 19 दिसंबर को सीरीज़ के पांचवें और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में टीम इंडिया का 2-0 से सफाया कर दिया था। भारत तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में 1-0 से आगे चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम:

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान)*, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

भारतीय टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया

रायपुर । भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम के टॉस हारते ही ये नया रिकार्ड बना। भारतीय टीम के टॉस हारने का यह सिलसिला 2023 वर्ल्ड कप फाइनल से शुरू हुआ था और दो साल बाद भी नहीं टूटा है जबकि इस बीच कप्तान भी बदल गये हैं। कप्तान चाहे रोहित शर्मा हों, शुभमन गिल हों या केएल राहुल, टॉस लगातार हारते गये है। हैरानी की बात है कि टॉस 20 बार लगातार हारने की संभावना सिर्फ 0.00000095, यानी 10 लाख में एक मानी जा रही है। टॉस हारने के बाद मैच में कप्तानी कर रहे के एल राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो सबसे ज्यादा दबाव टॉस का ही है। हम काफी समय से टॉस नहीं जीते। मैं अभ्यास रहा हूं, लेकिन साफ है कि यह काम नहीं कर रही।

केकेआर को खलेगी रसेल की कमी, बेहद प्रभावशाली रहे हैं आंकड़े

जैमैका । वेस्टइंडीज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते नजर नहीं आयेंगे। रसेल आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते थे और उनके आंकड़े काफी प्रभावी रहे हैं। ऐसे में उनके नहीं होने की कमी टीम को खलेगी। इसी कारण टीम के मालिक शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर लंबा और भावुक संदेश लिखकर उनकी सेवाओं को सलाम किया है। रसेल ने आईपीएल के 140 मुकाबलों की 115 पारियों में कुल 2651 रन बनाये हैं। इनका स्ट्राइक रेट 174.17 रहा है। उन्होंने 186 चौके, 223 छक्के लगाये हैं और गेंदबाजी के दौरान 123 विकेट लिए हैं। रसेल साल 2014 से ही केकेआर में शामिल रहे और अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी व कसी हुई गेंदबाज़ी से मैच विजेता साबित हुए। 174.17 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट की बदलौत वह टी 20 के सबसे खतरनाक फिनिशर बने। उन्होंने अपने करियर में 12 अर्धशतक, 186 चौके और 223 छक्के लगाये। केवल बल्लेबाज़ी ही नहीं, गेंदबाज़ी में भी रसेल ने अपनी ताकत दिखायी। उन्होंने आईपीएल में कुल 123 विकेट हासिल किए और कई अवसरों पर टीम को परेशानी से निकाला। उनके इसी ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण ही केकेआर की टीम में वह गेम-चेंजर के तौर पर भी जाने जाते हैं। रसेल अब केकेआर में पावर कोच के तौर पर दिखेंगे। इसी को देखते हुए शाहरुख ने कहा कि तुम हमेशा हमारे योद्धा रहोगे। अब पावर कोच के रूप में टीम के खिलाड़ियों को अपनी ताकत, अनुभव और सफलता के राज़ सिखाओ।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दिन-रात का दूसरा एशेज टेस्ट आज से

गाबा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां के गाबा मैदान में गुलाबी गेंद से शुरु होने वाले एशेज के दिन-रात के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में इंग्लैंड का लक्ष्य जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को शामिल कर सकती है। इंग्लिस अच्छे बल्लेबाज हैं औरा टीम के मध्य क्रम को मजबूती देंगे। वहीं ट्रैविस हेड और नये बल्लेबाज जेक वेदराल्ड पारी शुरु करेंगे। इस मैच में भी टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास ही रहेगी। स्मिथ ने माना है कि ख्वाजा का नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है पर उनका मानना है कि ख्वाजा जल्द वापसी के लिए मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने यह भी जोड़ा कि गाबा टेस्ट के बाद ख्वाजा के भविष्य को लेकर चयनकर्ता फैसला लेंगे। हालांकि स्मिथ ने विश्वास जताया कि ख्वाजा अभी भी टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम नई रणनीति और नए खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेगी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड की राह भी आसान नहीं है। तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है, जिससे इंग्लैंड पिंक बॉल की परिस्थितियों में गेंदबाजी में विविधता लाने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड का लक्ष्य सीरीज को बराबरी पर लाना होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपनी बढ़त को बनाये चाहेगी। गाबा की उछालभरी पिच पर इस मैच में एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

जूनियर विश्व कप हॉकी 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, शुक्रवार को बेल्जियम से खेलेगी

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां भारतीय हॉकी टीम का सामना बेल्जियम से होगा इससे पहले भारतीय टीम ने राउंड रॉबिन लीग स्तर में स्विट्जरलैंड पर 5-0 से जीत दर्ज करने के साथ ही अपने अब तक के सभी मुकाबले जीत लिए। अब भारतीय टीम का सामना 5 दिसंबर को बेल्जियम से होगा। वहीं इससे पहले हुए मुकाबलों में भारतीय टीम ने चिली को 7-0 से जबकि ओमान को 17-0 से हराया। स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरुआत में ही गोल दाग दिया। मनमीत सिंह ने दूसरे ही मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल कर इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने 13वें मिनट में एक गोल कर टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। वहीं 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। स्विट्जरलैंड की टीम ने भी हमले किये जिसे भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने विफल कर दिया। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी अपनी लय बरकरार रखी। शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने कोरिया को 3-1 से हराया, जबकि इंग्लैंड ने मलेशिया को भी इसी अंतर से पराजित किया।

बेहतर ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं यानसन

रांची । ऑलराउंड मार्को यानसन अपने प्रदर्शन से अब दक्षिण अफ्रीका के एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। कुछ समय पहले वह एक गेंदबाज के तौर पर टीम में आये थे पर अब वह टीम के लिए जरुरत के अनुसार रन भी बना रहे हैं। यानसन अपनी तेज उछाल वाली गेंदों से विरोधी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर देते हैं। फुल लेंथ गेंद और बेहतर नियंत्रण से उनकी गेंदों की धार और बढ़ती है। यानसन अब केवल निचले क्रम के बल्लेबाज नहीं रहे। अब वह बेहतर बल्लेबाजी करके टीम को कठिन हालात से बाहर निकालने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यानसन ने कहा, 'जब शीर्ष पांच बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में हों तब मैदान पर उतरना अच्छा लगता है। मेरी नजर केवल गेंद पर होती है और मैं उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। अभी मेरी यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। उसमें उन्होंनेनौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों में 93 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को संकट से बाहर निकाला था। यानसन ने इस तरह की आक्रामक पारी पहले भी खेली हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में 59 रन की पारी खेलकर अपनी टीम का संभाला था। ऐसे समय में जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में छोटी-छोटी पारियों का महत्व बढ़ता जा रहा है तब उन्होंने दिखाया कि वह दक्षिण अफ्रीका के लिए कितने उपयोगी हैं।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये, ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

ब्रिस्बेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए है। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में से सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशंस के

एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन-रात का प्रारुप इसलिए सफल रहा क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों। पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन-रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करें बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं। हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है।

विराट कोहली घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, ऋषभ पंत भी दिल्ली के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दोनों ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में खेलने की पुष्टि कर दी है। यह फैसला न केवल घरेलू क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि दिल्ली की टीम को भी बड़ा फायदा देगा। पंत लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे, जबकि कोहली 14 साल बाद फिर से दिल्ली की ओर से लिस्ट-ए मुकाबले खेलते नजर आएंगे। दोनों के खेलने से दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा।

ऋषभ पंत की धमाकेदार वापसी तय

सूत्रों के अनुसार, ऋषभ पंत ने DDCA को अपनी उपलब्धता की औपचारिक पुष्टि कर दी है। 2018 के बाद पहली बार पंत विजय हजारे ट्रॉफी में दिखाई देंगे। पंत ने 2015 से अब तक दिल्ली के लिए 19 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 531 रन बनाए। उनकी पारी में एक शतक, दो अर्धशतक और 109.48 का बेहतरीन स्ट्राइक रेट शामिल है। पंत की वापसी खास इसलिए भी है क्योंकि उनकी आक्रामक बैटिंग शैली दिल्ली के लिए मैच-विनिंग साबित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने 31 ODI मुकाबलों में 871 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार सेंचुरी और पांच फिफ्टी शामिल हैं। उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिए यह एक बड़ा प्लस पॉइंट है।

विराट कोहली भी विजय हजारे ट्रॉफी में उतरने को तैयार

35 वर्षीय भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने भी DDCA को टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता का भरोसा दिला दिया है। कोहली अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और ODI फार्मेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। 2010 के बाद यह पहला मौका होगा जब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की जर्सी पहनकर उतरेंगे। 2010 में खेले गए पांच मैचों में कोहली ने 45.80 की औसत से 229 रन बनाए थे और दो अर्धशतक भी लगाए थे। उनकी मौजूदा फॉर्म शानदार है और वह घरेलू गेंदबाजों पर हावी होते नजर आ सकते हैं। कोहली कर्नाटक के मैदानों पर दिल्ली के मुकाबलों में हिस्सा लेंगे, क्योंकि इस बार दिल्ली के कोटे में कोई होम ग्रुप मैच नहीं है।

दिल्ली के अभियान को मिलेगा बड़ा फायदा

पंत और कोहली के आने से दिल्ली का लाइन-अप बेहद प्रभावशाली हो जाएगा। दोनों खिलाड़ी बड़े मैचों में टीम का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं। उनकी मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होगी और टीम संयोजन को भी संतुलित बनाएगी। विजय हजारे ट्रॉफी के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले 8 जनवरी तक खत्म हो जाएंगे, जिससे पंत और कोहली दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल से पहले पर्याप्त गेम टाइम मिलेगा। 11 जनवरी से भारत-न्यूज़ीलैंड की ODI सीरीज शुरू होगी, जहां कोहली को फिर एक्शन में देखा जा सकता है।

अभी मैं सिंगल हूं, कॅरियर पर फोकस कर रही हूं: नोरा फतेही

अपने रिश्तों को लेकर उड रही अफवाहों पर बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने साफ कहा है कि वह पूरी तरह सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। हालांकि, अतीत में उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ चुका है, जिनमें अभिनेता अंगद बेदी भी शामिल हैं। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन समय के साथ उनका रिश्ता टूट गया। अंगद बेदी और नोरा फतेही कुछ साल पहले एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों को कई इवेंट्स, पार्टियों और निजी मौकों पर साथ देखा गया था। उस समय अंगद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि नोरा भी अपने करियर के बड़े मौके का इंतजार कर रही थीं। मीडिया में उनके रिश्ते की चर्चा खूब हुई, लेकिन दोनों ने इसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने से बचते रहे। साल 2018 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया और इसी साल अंगद बेदी ने अचानक अभिनेत्री नेहा धूपिया से शादी कर ली। उसी वर्ष दोनों बेटी मेहर के माता-पिता बने। वहीं, ब्रेकअप के बाद नोरा ने खुद को पूरी तरह काम में झोंक दिया और कुछ ही समय में बॉलीवुड की टॉप डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। अंगद बेदी ने 2020 में दिए एक इंटरव्यू में नोरा के बारे में बात करते हुए कहा था कि वह एक प्यारी लड़की हैं और अपने करियर में शानदार काम कर रही हैं। उन्होंने नोरा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, नोरा ने भी एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके एक्स-बॉयफ्रेंड ने उन्हें धोखा दिया था, हालांकि उन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया। नोरा के मुताबिक, धोखे की जानकारी होने के बावजूद उसे साबित करना मुश्किल था और उन्होंने उस दर्द को अपनी मेहनत में बदल दिया। नोरा का नाम पहले कोरियोग्राफर टेरेंस लुइस, सिंगर गुरु रंधावा और बिग बॉस फेम प्रिंस नरूला के साथ भी जोड़ा गया। हालांकि, इन मामलों में कभी सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई। नोरा ने हमेशा कहा है कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं। फिलहाल नोरा नए प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं और उनका पूरा ध्यान करियर पर है।

मैंने कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए: आमिर खान

हाल ही में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में एक खास सेशन के दौरान बालीवुड स्टार आमिर खान ने अपने सफर और स्टारडम को लेकर बेहद दिलचस्प बातें साझा कीं। आमिर ने कहा कि उन्हें आज तक समझ नहीं आता कि वह स्टार कैसे बन गए, क्योंकि करियर में उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो परंपरागत फिल्मी नियमों के बिल्कुल खिलाफ थे। सेशन के दौरान आमिर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं स्टार कैसे बन गया। लॉजिक के हिसाब से देखा जाए, तो मुझे स्टार नहीं बनना चाहिए था। मैंने शुरुआत से ही हर नियम तोड़ दिया और कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए। इसलिए जब मुझे इतनी सफलता और सम्मान मिला, तो मुझे सच में लगता है कि यह मेरे लिए बेहद बड़ी बात है। मैंने जो भी काम किया, वह सफलता पाने के उद्देश्य से नहीं था, बल्कि इसलिए किया क्योंकि उस विषय और किरदार ने मुझे अंदर से उत्साहित किया।' आमिर ने बताया कि उन्होंने जिन फिल्मों को चुना, उनमें से ज़्यादातर जोखिम वाली थीं और उनके हिट होने की कोई गारंटी नहीं थी। उन्होंने कहा, 卐लगभग हर फिल्म को लेकर मेरे मन में सवाल रहता था कि यह चलेगी या नहीं। जैसे 'सरफरोश', 'लगान', 'दिल चाहता है', 'तारे जमीन पर'—ये ऐसी फिल्में थीं जिनकी सफलता तय नहीं थी। 'लगान' और 'दिल चाहता है' अपने समय के लिए बेहद अलग थीं। वहीं 'तारे जमीन पर' जैसी कहानी पहले कभी बड़े पर्दे पर इस रूप में नहीं दिखाई गई थी। मैंने हमेशा अलग स्क्रिप्ट्स को चुना है, क्योंकि मैं खुद को दोहराना पसंद नहीं करता। मैं वही करता हूं जो मुझे दिल से अच्छा लगता है। यही मेरी शख्सियत है।' आमिर की हालिया फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। यह उनकी 2007 की फिल्म 'तारे जमीन पर' का आध्यात्मिक सीक्वल मानी जाती है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाया और दर्शकों से खूब सराहना हासिल की। 20 जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने सुपरहिट होने का रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले आमिर खान अपने काम में बारीकी, समर्पण और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। वह लंबे समय से भारतीय सिनेमा में एक अनोखे कलाकार के रूप में स्थापित हैं और अपने करियर में कई यादगार व ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं।

पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने काम कर रहे हैं: अनुपम खेर

अपने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया। वीडियो में अनुपम खेर फ्लाइट में बैठे नजर आ रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व से होती है। वीडियो में दोनों को गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे का अभिवादन करते और बातचीत करते देखा जा सकता है।
वीडियो में अनुपम खेर बताते हैं कि यात्रा के दौरान मिलने वाली अनोखी मुलाकातें सबसे खास अनुभव होती हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, 'फ्लाइट में सफर करने में अक्सर बड़ी-बड़ी हस्तियों से मुलाकात हो जाती है कभी शायर, लेखक, बिजनेसमैन और गायक। आज हमारे साथ मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व जी बैठे हैं।' इस पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, 'खास मुलाकात : फ्लाइट में यात्रा करने का सबसे अच्छा यह होता है कि आपको अलग-अलग तरह के लोग मिलने का मौका मिलता है बिजनेस वाले, खाने-पीने के शौकीन, स्टाइलिश लोग, लेखक और बातूनी लोग।' अनुपम खेर ने पृथ्वी गंधर्व की तारीफ करते हुए कहा कि जहां आजकल अधिकतर गायक आधुनिक और प्रयोगात्मक संगीत की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने का शानदार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पृथ्वी से मिलकर खुशी हुई। मुझे गजलें हमेशा से पसंद हैं और पृथ्वी जी को गजलें गाते सुनना अद्भुत अनुभव रहा।' वीडियो के अंत में पृथ्वी गंधर्व, अनुपम के अनुरोध पर उनके पसंदीदा गजल गायक गुलाम अली साहब की मशहूर गजल गुनगुनाते हैं, जिससे पूरा वातावरण भावनात्मक और खुशनुमा हो जाता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुपम ने लिखा, 'पृथ्वी ने मेरे पसंदीदा गुलाम अली साहब की एक खूबसूरत गजल भी गाई, जिसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशंसक कमेंट्स में दोनों की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अनुपम खेर का यह विनम्र स्वभाव और कला के प्रति सम्मान उन्हें अलग पहचान देता है। गौरतलब है कि पृथ्वी गंधर्व मनोरंजन जगत के एक प्रतिष्ठित नाम हैं और उन्होंने फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' में गायन से बॉलीवुड में प्रवेश किया था।

जल्द देओल फैमिली से जुड़ेगी अनिशा पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और एक्टर सनी देओल का फिल्म इंडस्ट्री के कारण कनेक्शन तो है, लेकिन जल्द ही यह पहचान रिश्तेदारी में बदलने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका की बहन अनिशा पादुकोण जल्द ही रोहन आचार्य से शादी करने वाली हैं। दरअसल, रोहन आचार्य मशहूर फिल्ममेकर बिमल रॉय के परपोते हैं। उनकी मां चिमू आचार्य की बेटी दृशा आचार्य, सनी देओल के बड़े बेटे करण देओल की पत्नी हैं। ऐसे में अगर अनिशा पादुकोण रोहन आचार्य से शादी करती हैं, तो दीपिका और सनी देओल का रिश्ता ससुराल के जरिए बन जाएगा। इस शादी के जरिए बॉलीवुड की दो प्रमुख फैमिलीज़ का कनेक्शन बनना तय है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह हाल ही में दृशा आचार्य के दादा और बॉलीवुड लीजेंड धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में भी पहुंचे थे। अनिशा पादुकोण पेशे से प्रोफेशनल गोल्फर हैं और बैंगलुरू में अपने माता-पिता बैडमिंटन लीजेंड प्रकाश पादुकोण और उज्जला पादुकोण के साथ रहती हैं। इस शादी से बॉलीवुड और स्पोर्ट्स जगत में भी खास कनेक्शन देखने को मिलेगा।

कार्तिक, सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं : अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, बल्कि पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं। अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज़्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है। अनन्या ने कहा, 'मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कंफ़र्टेबल महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं।' अनन्या ने फिल्म के सेट पर बने मज़ेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, कार्तिक से सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मज़ाकिया और हल्का-फुल्का रहता है। ज़्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है। सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी।' अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।

रेखा की स्टाइलिश अंदाज में एंट्री

फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू किया और इस मौके पर मुंबई में एक खास स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस इवेंट में बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस रेखा ने। रेखा ब्लैक कलर की खूबसूरत साड़ी में नजर आईं, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम था। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ओवरकोट कैरी किया, जिससे उनके लुक में एक मॉडर्न टच आया। उनका हाई बन हेयरस्टाइल, मांग में सिंदूर और ब्लैक शेड्स ने उनके ट्रेडिशनल और स्टाइलिश अंदाज को और निखारा। कंधे पर स्लिंग बैग और समर्पित पोज़ ने उनके लुक को पूरी तरह कंप्लीट किया। स्क्रीनिंग के दौरान रेखा मीडिया के कैमरों के सामने कई बार पोज देती दिखाई दीं। उनके स्टाइलिश और यूनिक लुक की फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ की। इस इवेंट में रेखा का ग्लैमरस अंदाज और सिग्नेचर स्वैग सभी का ध्यान खींचने में सफल रहा। 'गुस्ताख इश्क' की इस खास स्क्रीनिंग में रेखा की उपस्थिति ने शाम की शान बढ़ा दी और उनके फैशन सेंस की एक बार फिर तारीफ हुई।

शाहरुख का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं: राम गोपाल

बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ उन्होंने कभी काम नहीं किया। वर्मा ने पहली बार खुलकर बताया कि दोनों का साथ क्यों नहीं हो पाया। बातचीत में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि शाहरुख खान उनकी फिल्मों के टोन और स्टाइल में फिट नहीं बैठते। उन्होंने बताया, 卐शाहरुख खान का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं है। मैं अपनी फिल्म 'कंपनी' में उन्हें कास्ट करना चाहता था, लेकिन उस फिल्म का किरदार मल्लिक बहुत शांत, गंभीर और कुछ आलसी स्वभाव का था। उस किरदार में हाई एनर्जी या चुलबुलापन बिल्कुल नहीं था, जबकि शाहरुख की पर्सनैलिटी ही एनर्जी से भरी रहती है। ऐसे रोल में उन्हें डालना गलत होता।' राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि शाहरुख खान एक पावरहाउस परफॉर्मर हैं और उनके फैन भी उन्हें उसी रूप में पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'शाहरुख लाइव वायर की तरह हैं। कैमरा चालू होते ही वो पूरी फ्रेम को कब्जे में ले लेते हैं। जब वो स्क्रीन पर होते हैं, तो निर्देशक के पास करने के लिए बहुत कम बचता है। वो सीन में इतनी ताकत डालते हैं कि बाकी सब पीछे रह जाता है।' डायरेक्टर के अनुसार, उनकी फिल्मों का मूड बहुत कंपोज्ड, इंटेंस और साइलेंट पावर पर आधारित होता है, जबकि शाहरुख की एक्टिंग स्टाइल ज्यादा एक्सप्रेसिव और एनर्जेटिक है। वह कहते हैं, 'मेरी फिल्ममेकिंग स्टाइल और शाहरुख की स्क्रीन एनर्जी एक-दूसरे के विपरीत हैं। इसलिए इतने सालों में कभी साथ काम करने का मौका नहीं बना। अगर मैंने उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट किया होता, तो वह गलत विकल्प होता, क्योंकि उन्हें उनके नेचुरल फ्लो में देखा जाना चाहिए।卐 साथ ही उन्होंने शाहरुख की जमकर तारीफ़ करते हुए कहा कि उनका कद और प्रभाव इतना बड़ा है कि निर्देशक को उनके सामने बहुत सोच-समझकर चलना पड़ता है।

'120 बहादुर' को राजस्थान में किया टैक्स फ्री

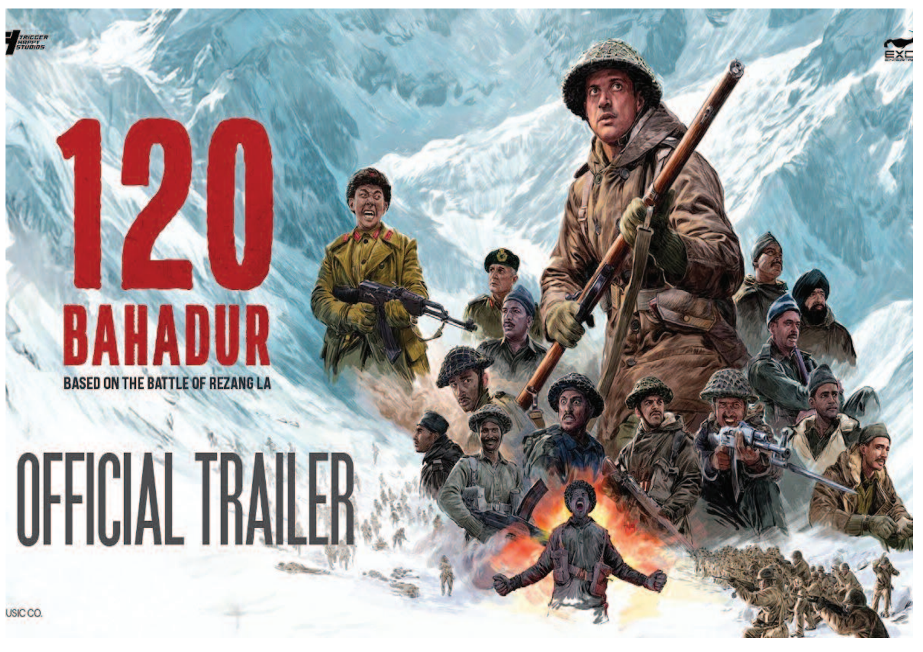

हाल ही में दिल्ली में टैक्स फ्री होने के बाद फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' अब राजस्थान सरकार ने भी इसे करमुक्त घोषित कर दिया है। '120 बहादुर' को मिल रहा यह सम्मान फिल्म की लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाता है। सैनिकों के असाधारण साहस को सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ पेश किए जाने के कारण फिल्म को मीडिया और सेलेब्रिटीज की ओर से भी शानदार समीक्षाएं मिल रही हैं। थिएटरों में इसकी रिलीज के तुरंत बाद से ही यह फिल्म देश भर में चर्चा का विषय बन चुकी है, और टैक्स फ्री होने से उम्मीद है कि अधिक लोग इसे देखने थिएटर पहुंचेंगे।
फिल्म की कहानी 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जांबाज सैनिकों पर आधारित है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की प्रतिष्ठित लड़ाई में अद्वितीय बहादुरी दिखाई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इन सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों और दुश्मन की भारी संख्या के बावजूद पीछे हटने से इनकार किया। अपने देश के लिए अंतिम सांस तक लड़ने वाले इन वीरों की गाथा आज भी भारतीय सेना के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय मानी जाती है। फरहान अख्तर ने इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी, की दमदार भूमिका निभाई है। शहीद मेजर शैतान सिंह को रेजांग ला युद्ध में अतुलनीय वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान किया गया था। फिल्म का केंद्रीय संवाद 'हम पीछे नहीं हटेंगे' – युद्ध के दौरान सैनिकों की भावना और हौसले को गहराई से दर्शाता है। राजस्थान में फिल्म के टैक्स फ्री होने पर फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और इस फैसले को सैनिकों के साहस का सम्मान बताया।
रजनीश 'रेजी' घोष द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर तथा ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ के अमित चंद्रा द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी स्थिर प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के आठवें दिन फिल्म ने लगभग 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया और अब तक इसकी कुल घरेलू कमाई 15.4 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। सोमवार को जहां फिल्म ने 1 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं लगातार बढ़ती कमाई दर्शाती है कि दर्शक इसे बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' इस समय देश भर में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारतीय सैनिकों की अदम्य वीरता और बलिदान को दर्शाने वाली यह फिल्म रिलीज के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।